Finish 190 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०१९ • वर्ष ७० • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

०९ नवम्बर २०१९; कोलकाता : सम्मेलन के दीपावली प्रीति मिलन समारोह में (बायें से) सर्वश्री संजय हरलालका, आनंद अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, सुशील धनानिया, संतोष सराफ, प. बंग महामहिम राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़, प्रथम महिला श्रीमती सुदेश धनखड़, सर्वश्री सीताराम शर्मा, श्रीगोपाल झुनझुनवाला एवं डॉ. जुगल किशोर सर्राफ।

२ नवम्बर २०१९ को कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण।

इस अंक में –

- अध्यक्षीय : विवाहादि समारोहों में पवित्रता एवं शालीनता आवश्यक
- सम्पादकीय : क्या होगी भावी पीढ़ी को हमारी विरासत
- रपट : दीपावली प्रीति मिलन समारोह, स्थायी समिति बैठक
- आलेख : समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति चिंताजनक
- विशेष: लोकगीतों में खेल रमण
- प्रांतीय समाचार, समाचार सार एवं अन्य

LINC

pentonic

₹10 per pen

AVAILABLE IN 10 COLOURS

LINC PEN & PLASTICS LIMITED | 3, ALIPORE ROAD, KOLKATA - 700 027 | +91 98365 62100 | customercare@lincpen.com

RUPA®
THERMOCOT
IT'S VERY VERY HOT
India's Most Popular Thermal Wear
for Men, Women & Kids
www.rupa.co.in | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,
BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,
VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆ नवम्बर २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** क्या होगी भावी पीढ़ी को हमारी विरासत	७
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** विवाहादि समारोहों में पवित्रता एवं शालीनता आवश्यक	९
● **रपट –** दीपावली प्रीति सम्मेलन स्थायी समिति बैठक	१०
● **प्रांतीय समाचार**	१५
● **समाचार सार**	१९
● **आलेख : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक	२०
● लोकगीतों में खेल रमण	२५
● राजिया रे सोरठे	२७
● कहाणी	३१
● दस छणिकावां	३३
● देव स्तुति	३४
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३५-३६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७००००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्मेलन के सभी सदस्यों के सादर ध्यानार्थ

८५वाँ स्थापना दिवस समारोह

मान्यवर,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ८५वाँ स्थापना दिवस समारोह आगामी २५ दिसम्बर २०१९ (बुधवार) को प्रातः दस बजे से कला मंदिर सभागार (४८, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७) में आयोजित किया गया है।

आपकी सपरिवार-सबांधव उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

भवदीय,
श्रीगोपाल झुनझुनवाला
राष्ट्रीय महामंत्री

ALL INDIA MARWARI FEDERATION
Central office : Kolkata, e-mail : aimf1935@gmail.com

सादर निवेदन (पूरे समाज से)

समाज हित और अपने परिवार की भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने हेतु विवाह-शादी, **Reception** (ढुकाव) में शराब (**Alcohol**) या **Cocktail party** न रखी जाए तो सबका भला होगा। वैवाहिक समारोह एक धार्मिक कृत्य है, जहाँ देवताओं और पितरों का आवाहन होता है - कृपया उनका अपमान न करें। अतः आपसे सादर निवेदन है कि समाज हित में आप आगे आएँ और इस सत्कार्य में साथ दें। समाज अवश्य आपकी सराहना करेगा। आप समाज के हितैषी बनें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

क्या होगी भावी पीढ़ी को हमारी विरासत

आर्थिक विकास दर की दृष्टि से विश्व में भारत अग्रणी देश है। हाल ही में देश के लिये पांच ट्रीलियन डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है। अब आर्थिक विकास ही देश की प्रगति का मापदंड बन गया है। हम सभी मानते हैं कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बावजूद भी विदेशी शासक हमारे चारित्रिक एवं नैतिक बल को क्षीण नहीं कर पाये। हमारे हजारों वर्ष पुराने संस्कार एवं संस्कृति पूरे विश्व को दिशा देते आए हैं, पर अब धीरे-धीरे हासिये पर जा रहें हैं। लोभ, छलकपट एवं भोगवाद की संस्कृति कई रूपों में पनप एवं फलफूल रही है। फलस्वरूप हम अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने में लगे हुए हैं। हम यह भूल गए हैं कि यह पृथ्वी हमें हमारे पूर्वजों से अमानत के बतौर मिली है, जिसे जितना हो सके सुधार कर भावी पीढ़ी को सौपना है। निश्चय ही आज की परिस्थितियों के लिए वर्तमान पीढ़ी ही जिम्मेदार है। हम अपनी कारगुजारियों द्वारा ही विनाश की ओर अग्रसर है। क्या हमें इसका अधिकार है? हमारी भावी पीढ़ी को हम किस प्रकार की विरासत सौपने जा रहे हैं, उसके लिये हमने क्या तैयारी की है? इस संदर्भ में कुछ ऐसे बिन्दु हैं, जिन्हें समय रहते अगर हम नहीं सुधारे तो मानव जाति एवं इस पृथ्वी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है।

सर्वप्रथम हमारे देश में जो **मिलावट** का दौर चल रहा है, उससे हालांकि सभी नागरिक प्रभावित है, फिर भी दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नागरिक ही सवकुछ जानते हुए स्वयं इस कार्य से संलग्न है। जिस डाल पर हम बैठे हैं, स्वयं ही उसे काटने में लगे हैं। रसायनिक खाद के अत्यधिक प्रयोग के फलस्वरूप अन्न, फल, सब्जी में हानिकारक रसायन की मात्रा चिंताजनक हो गई है। इसके साथ-साथ विभिन्न स्तर पर इसमें हानिकारक रंग, कार्बाइड से पकाना एवं अन्य नये नये तरीकों का प्रयोग किया जाता है। कोई भी खाद्य पदार्थ मनुष्य के खाने के लिये सुरक्षित नहीं रह गया है। विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि शिशु का सर्वप्रथम आहार माँ के दूध में भी रसायन की प्रचुरता रहती है। हमारे देश में दूध एवं दूध के पदार्थों की खपत हमेशा से ही अधिक रही है। शाकाहारियों के लिये दूध का सेवन स्वस्थ रहने के लिये आवश्यक हो जाता है। इस क्षेत्र की स्थिति भी सोचनीय है। सरकार ने संसद में यह स्वीकार किया है कि देश में ६८ प्रतिशत दूध में मिलावट किया जाता है। दूध में यूरिया, कपड़ा धोने का पाउडर, ग्लूकोज, रंग आदि तक का व्यवहार किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में भारत सरकार को चेताया है कि डायरी उत्पाद में अगर मिलावट को नहीं रोका गया तो सन् २०२५ तक देश के ८७ प्रतिशत नागरिक गंभीर बीमारियों, जिसमें कैंसर भी शामिल है, से ग्रस्त हो सकते हैं। त्यौहारों के अवसर पर खपत और अधिक बढ़ जाती है। अचम्भे की बात तो यह है कि गाय भैसों की संख्या देश मे कम हो रही है एवं दूध का उत्पादन बढ़ रहा है। नकली मावा से भरे लॉरी के पकड़े जाने की खबर आये दिन आती रहती है। यह एक गंभीर समस्या है एवं वर्षों से कम होने की बजाय बढ़ती जा रही है।

दूसरी गंभीर समस्या है जल, वायु एवं धरती का बढ़ता हुआ प्रदूषण। ऐसा जाना जाता है कि पिछले पचास वर्षों में जितना प्रदूषण बढ़ा है, इसके पहले के दो सौ वर्षों में भी नहीं बढ़ा था। पीने के पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है। चेन्नई में पानी के स्रोत सूख गये हैं। बंगलोर की स्थिति अच्छी नहीं है। शिमला, मेरठ, फरीदाबाद, जयपुर, कानपुर, धनबाद, जमशेदपुर, आसनसोल, विशाखापट्टनम्, अमरावती, हैदराबाद, विजयवाड़ा कोयंबटूर, मदुरै, कोच्चि में भी शुरुआत हो चुकी है। नीति आयोग की एक रपट में कहा गया है कि अगले वर्ष तक इन शहरों को मिलाकर २१ शहर पानी के अभाव से ग्रस्त हो जायेंगे। भूमिगत जल संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग वर्षों तक होने के फलस्वरूप हम इस स्थिति के सम्मुखाधीन हैं। जल का भूमिगत स्तर नीचे चला गया है। हमारी सारी नदियाँ प्रदूषित हो गई है। उनका जल पीना तो दूर नहाने के लिये भी उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। नदियों की सफाई के लिये अनाप-शनाप खर्च किये जा चुके हैं, पर नतीजा कुछ भी नही निकला। जो कभी सोचा नहीं गया, पीने का पानी अब दुकानो में बिक रहा है। प्लास्टिक की बोतल मे बंद पानी में भी प्लास्टिक के कण पाये गये हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। पर्यावरण के विभिन्न मापदंडो एवं मानको के सूचकांक में विश्व के १८० देशों में भारत का १४१वाँ स्थान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार देश की ७५ प्रतिशत आबादी प्रदूषित वायु में जी रहे हैं। WHO के अनुसार विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित २० शहरों में से १३ शहर हमारे देश में हैं। दिल्ली का प्रथम स्थान है एवं इसका साथ दे रहे हैं पटना,

ग्वालियर, रायपुर आदि। विश्व में सबसे अधिकतम दूषित १०० शहरों में ३१ शहर भारत में हैं। अत्यधिक रसायनिक खाद के व्यवहार से उर्वरा मिट्टी की शक्ति क्षीण होती जा रही है। प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण का संकट अत्यधिक गहराया है। प्लास्टिक पर्यावरण के लिये एक चुनौती बनकर खड़ी है। प्लास्टिक का उपयोग १९५० में १५ लाख टन से बढ़कर २०१५ में ४२०० लाख टन हो गया है। इससे ही हम समझ सकते हैं कि हम किस प्रकार के संकट के सम्मुखाधीन हैं। गांव-शहरों में सर्वत्र प्लास्टिक के सामान एक बार उपयोग में लाकर फेंक दिये जाते हैं। समुद्र में भी प्लास्टिक फेंक दिया जाता है, फलस्वरूप सामुद्रिक प्राणियों की संख्या घट रही है।

प्रकृति का संहार – बढ़ती जनसंख्या एवं प्रति व्यक्ति खपत की बढ़ती दर के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग अभूतपूर्व स्तर पर हो रहा है। एक आंकड़े के अनुसार ८० प्रतिशत जंगल नष्ट हो चुके हैं। इनको रहने, कृषि एवं उद्योग के लिये उपयोग में लाया जा रहा है। सन् २०१७ में १५००० से अधिक वैज्ञानिकों ने कहा कि पूरे विश्व में अनेकों पर्यावरण एवं सामाजिक चुनौतियों का कारण बढ़ती जनसंख्या है। अभी तक ८३ प्रतिशत जंगली जानवर एवं आधे से अधिक पेड़-पौधे नष्ट हो चुके है। ७५ प्रतिशत मछलियों की संख्या प्रभावित है। अगले ३० वर्षो में, अभी जो भी जीव है उनमें से २० प्रतिशत नष्ट होने की आशंका है। ३७५ वर्ग किलोमीटर की दर से जंगल के जमीन प्रत्येक दिन कम हो रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दुरूपयोग के फलस्वरूप सन् २०३० तक रहन सहन के स्तर में गिरावट आने की भविष्यवाणी की गई है। संसाधनों के खपत की दर लगातार बढ़ रही है। फलस्वरूप २०५० तक हमें पृथ्वी जैसी २.५ गुनी आकार के अतिरिक्त भूभाग की आवश्यकता होगी। एक गणना के अनुसार सन् १९७० से २०१२ के बीच विश्व में मछली, पशु-पक्षियों एवं अन्य सभी वन्य प्राणियों की संख्या ५८ प्रतिशत घट गई है एवं सन् २०२० तक यह संख्या ६७ प्रतिशत पहुँचने की संभावना है। पर्यावरण संतुलन बिगड़ने से पृथ्वी पर गहरे संकट की संभावना व्यक्त की जा रही है। सन् १९२७ में पृथ्वी की जनसंख्या २०० करोड़, १९६० में ३०० करोड़, १९७४ में ४०० करोड़, १९८७ में ५०० करोड़, १९९९ में ६०० करोड़, २०११ में ७०० करोड़ के लगभग थी। इसी क्रम में सन् २०४० तक यह संख्या १००० करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है।

इन समस्याओं के पीछे मानव की भोगवादी एवं लोभी प्रकृति मुख्य कारण है। प्रकृति के साथ हम अपना जुड़ाव खत्म कर चुके हैं। हमारी संस्कृति एवं संस्कार हमें प्रकृति के साथ तालमेल रखकर चलना सिखाती थी। सादा जीवन उच्च विचार रखते हुए अपनी आवश्यकताओं को कम से कम रखने का पाठ पढ़ाती थी। आपसी संबंधो में प्रेम एवं सौहार्द के साथ जीवन जीने का पाठ पढ़ाती थी। इन सब अवधारणाओं को हम एक एक कर छोड़ते चले आये। भोगवाद की संस्कृति अपनाते हुए हम तथाकथित प्रगति एवं विकास के मृग मरीचिका को हासिल करने अपने बुनियाद को खोखला करते जा रहे हैं। इसका एक ज्वलंत उदाहरण है मद्यपान का बढ़ता चलन। एक अनुमान के अनुसार २०१० से २०१७ के बीच शराब की खपत में ३८ प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है। आने वाले वर्षों में इसकी खपत बहुत अधिक बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बढ़ते हुए मद्यपान का सबसे बुरा असर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है। इसके कारण लीवर एवं अन्य बीमारीयाँ बढ़ रही हैं। घर-घर में इसका चलन हो गया है। इस कारण हमारी जीवनशैली एवं सोच में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है।

इस प्रकार हम कुलमिलाकर अगर उपरोक्त सभी पहलुओं को सम्मिलित करके देखें तो स्थिति की भयावहता स्पष्ट हो जाती है। अपने जीवनशैली, प्रदूषण, मिलावट, प्रकृति का संहार, अत्यधिक भोगवाद, बढ़ती जनसंख्या, लोभ की प्रवृति, दिल की बीमारी, मधुमेह, हाइपरटेंशन, मानसिक रुग्णता, तनाव, डिप्रेशन, फेफड़े की बीमारी, मोटापा, एलर्जी, कैंसर जैसे रोगों का प्रचलन दिन पर दिन बढ़ रहा है। भारत में प्रत्येक वर्ष १७ लाख लोग कैंसर से ग्रस्त हो रहे हैं। पूरे मृत्यु संख्या में से २७ प्रतिशत मौतें दिल की बीमारी से हो रहे हैं। इस प्रकार हमारी नस्ल स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर होती जा रही है एवं भावी पीढ़ी को हम एक रोगग्रस्त अनुवांशिक (DNA) देकर जायेंगे। इस कारण भावी पीढ़ी की स्थिति का अंदाजा हम लगा सकते हैं। हम हमारे कार्य एवं जीवनशैली से आनेवाली पीढ़ी को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। समय रहते अगर हम इस विकट संभावना का संज्ञान लेकर स्वयं मे सुधार नहीं लाते हैं तो परिस्थितियां बेकाबू होती जायगी! हमारे विकास के आधुनिक मापदंडो में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। हमें जिस अवस्था में पृथ्वी मिली थी, क्या उस अवस्था में हम उसे छोड़ कर जा रहे हैं। विज्ञान के बढ़ती सफलता के बावजूद हमारे जीवन की गुणवत्ता एवं खुशियों के स्तर में गिरावट आ रही है। हमारे पारिवारिक, सामाजिक एवं नैतिक मूल्य छिन्न-भिन्न होते जा रहे है। तात्कालिक लाभ के लिए हम अपने भविष्य को दाव पर लगाने में तनिक भी नहीं हिचकिचाते। आनेवाली पीढ़ी को हम विरासत में क्या देकर जायेंगे, यह सोचना अति आवश्यक है।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

विवाहादि समारोहों में पवित्रता एवं शालीनता आवश्यक

– सन्तोष सराफ

पुराने जमाने में मारवाड़ी की पहचान थी कि वह अनावश्यक खर्च नहीं करता था एवं पैसे बचाने की तरकीबें सोचा करता था। रहन सहन एवं बात व्यवहार में मारवाड़ी समाज सरल एवं सहज था। आपसी सहयोग की भावना मारवाड़ियों का ट्रेडमार्क था। बड़ाबाजार की गद्दियों में समाज के युवाओं को रहने खाने की व्यवस्था होती थी।

मारवाड़ी समाज के क्रमशः विकास एवं पूरे देश में उनके वर्चस्व के पीछे उनकी उद्यमता, जोखिम लेने की क्षमता, मर्यादा एवं नियम पालन करने का अनुशासन रहा है।

आज का मारवाड़ी समाज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। हम अपने भाषा एवं संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। साथ ही साथ अपनी विशेषताओं को एक के बाद एक खोते जा रहे हैं। उद्योग एवं व्यापार में हमारे समाज की शीर्ष स्थिति अब बीते दिनों की बात हो गई है। हमारा समाज अब मालिक बनने से ज्यादा नौकरी करने में तत्पर दिखाई दे रहा है।

दशकों से देश में कोलकाता मारवाड़ी समाज का केन्द्र बिन्दु रहा है। ऐसा देखा गया है कि कोलकाता में जो शुरु होता है, पूरे देश में मारवाड़ी समाज उसका अनुसरण करता है। ध्यान देने की बात है कि समाज में व्याप्त कुरीतियों के विषय में भी आवाज कोलकाता से ही उठती है। उसी परिप्रेक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की १९३५ में स्थापना को रख कर देखना चाहिए। पिछले ८४ वर्ष में समाज में बहुत से बदलाव हुए हैं। कुछ तो समय सापेक्ष हैं, कुछ के लिए प्रयास करना पड़ा है। उन्ही बदलाव के कारण समाज का वर्तमान स्वरूप आज हमारे सामने है। फिर भी कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो हमें कमजोर बना रहे हैं। पिछले वर्षों में सम्मेलन ने विवाह आदि मांगलिक अवसरों पर बढ़ते हुए मद्यपान के विरुद्ध में आवाज उठाई है। अनेक प्रकार से समाज में इस संदेश का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में इसका सकारात्मक असर भी पड़ा है। यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि यह कुरीति पूर्ण रूप से बंद हो। देश के सभी भागों में बंद हो। इसके लिये सभी समाजबंधुओं को आगे आना होगा। मद्यपान के साथ-साथ विवाह समारोह के अवसर पर खर्चीले निमंत्रण पत्र, अतिरंजित आडम्बर एवं दिखावा भी बंद करने की आवश्यकता है। ऐसा देखा गया है कि कहीं कहीं निमंत्रण पत्र वाट्सअप के द्वारा भेजे जा रहे हैं पर साथ-साथ निमंत्रण पत्र भी छपवाये जा रहे हैं। मेरे विचार से निमंत्रण पत्र का छपना बंद होना चाहिए। सिर्फ इमेल, वाट्सअप एवं मैसेज के द्वारा एवं आवश्यकता होने पर टेलिफोन के द्वारा निमंत्रण देने चाहिए। सोचने की बात है कि जो भारी भरकम निमंत्रण पत्र छपवाये जाते हैं उसमें अनेक प्रकार की सूचना एवं भगवान की छवि विद्यमान रहते हैं। निमंत्रण पत्र का मुख्य उद्देश्य होता है – स्थान, दिनांक, समय की सूचना देना। इन सूचनाओं को खोजने मे पूरी मसक्कत करनी पड़ती है। बाद में कुछ ही दिनों में इन्हें रद्दी की टोकरी में फेंकना पड़ता है। इस पूरी प्रक्रिया में कागज एवं कागज संबंधी सामग्रियों का अत्यधिक दुरुपयोग होता है। हम सभी जानते हैं कि कागज के निर्माण में पेड़ों की लकड़ी का प्रयोग होता है। पर्यावरण को बचाने के लिये इनकी खपत को कम करने की आवश्यकता है। यह करने के बजाय, अनावश्यक हम उसकी खपत बढ़ाने में मदद कर रहे हैं, जो कि चिंतनीय है।

विवाह के अवसर पर विभिन्न प्रकार के आडंबर एवं प्रदर्शन की बात तो सर्वविदित है। इसका प्रचलन व्यापक होता जा रहा है। इभेंट मैनेजमेंट का पदार्पण होने के बाद नित नये खर्चीले एवं भड़कीले तरीके ईजाद किये जा रहे हैं। हाल ही में समाचार पत्रो में छपे एक समाचार पत्र के अनुसार वरमाला के अवसर पर एक हादसे में एक फोटोग्राफर की मौत हो गई। वैवाहिक कार्यक्रम को उसके संस्कार, संस्कृति, धर्म एवं रीतिरिवाज से दूर ले जाया जा रहा है। सिर्फ दिखावा, प्रदर्शन एवं आडम्बर।

समय का तकाजा है कि हम इन कारगुजारियों पर रोक लगायें। विवाह को एक पवित्र एवं दो दिलों के धार्मिक, पारिवारिक एवं सांस्कृतिक बंधनों तक ही सीमित रहने दें। ऐसे विवाह बंधन जहाँ दिलों का मिलन नहीं होता, जिन विवाह समारोहों की नींव इस प्रकार के आडम्बर एवं प्रदर्शन पर टिकी रहती है उन संबंधों को चरमराने में भी देर नहीं लगते। मैं सभी समाजबंधुओं से अनुरोध करूंगा कि इस विषय पर अविलम्ब मिलजुल कर प्रयास करें।

जय समाज, जय राष्ट्र!

सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन

संस्कारों एवं संस्कृति के प्रति रहें जाग्रत : राज्यपाल धनखड़

"मारवाड़ी समाज के तौर-तरीकों से सदैव कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मारवाड़ियों की बौद्धिक परिपक्वता, सरल प्रवृत्ति, पूर्ण रूप से सांप्रदायिक सद्भाव की भावना का कोई सानी नहीं है। इसके लिए मारवाड़ी समाज साधुवाद का पात्र है।" ये उद्गार है पश्चिम बंगाल के **महामहिम राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़** के जो अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में ०९ नवम्बर २०१९ को ४०, आयरन साईड रोड, कोलकाता आयोजित दीपावली प्रीति मिलन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, ईमानदारी, जोखिम उठाने की क्षमता एवं दूरदर्शिता आदि गुण इस समाज की विशेषता रहे हैं। इन्हीं गुणों के बल-बूते इन्होंने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। महामहिम ने अपनी **मातृभाषा एवं संस्कारों** को भूलने के विषय में सबको सचेत करते हुए कहा, **"एक बार भूले तो ढूँढ़ते रह जाओगे"**।

दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ करते महामहिम राज्यपाल श्री जगदीश धनखड़; साथ में परिलक्षित हैं श्रीमती सुदेश धनखड़ एवं श्री संतोष सराफ।

समारोह के प्रारम्भ में महामहिम राज्यपाल ने राज्य की प्रथम महिला **श्रीमती सुदेश धनखड़** एवं सम्मेलन के पदाधिकदारियों के साथ श्री गणेश भगवान की प्रतिभा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया। **सुश्री कनिका काजरिया** ने गणेश-वंदना प्रस्तुत की। स्वागताध्यक्ष **श्री आनंद कुमार अग्रवाल** ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि पर्वों का शाश्वत भाव देश की संस्कृति का दर्शन कराता है। यह देश में विविधता में एकता का आदर्श है। प्रकृति पूज्य एवं जीवनदायिनी है एवं हमारे त्यौहार प्रकृति-प्रदत्त हैं।

समारोह का सभापतित्व करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि मारवाड़ी जितना अपनी जन्मभूमि से प्यार करता है, उससे कम प्यार अपनी कर्मभूमि से नहीं करता। मारवाड़ी जहाँ भी रहता है, वहाँ की संस्कृति एवं भाषा से समरस हो जाता है। सम्मेलन के हालिया कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि समाज के युवक-युवतियों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष से आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में सहयोग हेतु अनुदान दिया जाता है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समारोह के मुख्य वक्ता **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि कोलकाता देश का वह शहर है जहाँ देश के किसी भी शहर से ज्यादा मारवाड़ी निवास करते हैं। हमारे समाज ने शिक्षा एवं अन्य क्षेत्र में काफी प्रगति की है किंतु इसके साथ-साथ हमारे समाज में कुरीतियाँ भी पनपी हैं। रिश्तों की अहमियत खत्म हो रही है, नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है। यह चिंतनीय है। सम्मेलन इन सब क्षेत्रों में प्रयास कर रहा है ताकि सामाजिक बुराईयों से निजात पा सकें।

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने प्रादेशिक सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि बंगाल में सम्मेलन की सांगठनिक क्षमता मजबूत हो रही है। समारोह के विशिष्ट अतिथि **श्री सुशील कुमार धनानिया** ने सामाजिक संगठन की आवश्यकता पर बल दिया और सम्मेलन की गतिविधियों को समाज के हित में बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारा नैतिक कर्त्तव्य है कि संसाधनहीन एवं वंचित समाजबंधुओं के सहयोग में अपने संसाधनों का सदुपयोग करें।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन के इतिहास, पृष्ठभूमि, उद्देश्यों, कार्यक्रमों के विषय में बताया। उन्होंने सम्मेलन एवं दीपावली पर्व के विषय में ज्ञानवर्धक उपाख्यानों द्वारा समारोह को सरस एवं रोचक बनाये रखा।

समारोह के अंत में एक नृत्य-समूह द्वारा प्रसिद्ध मारवाड़ी गीतों पर नृत्य का मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मधुर गीतों एवं उत्कृष्ट नृत्य पर आबालवृद्ध झूमते दिखे, सभागार तालियों की प्रतिध्वनि से गूँजता रहा।

सम्मेलन की फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, सम्मेलन की प्रथम महिला **श्रीमती प्रभा सराफ**,

Diva®
from LA OPALA®

CLASSIQUE COLLECTION | Ivory collection | QUADRA COLLECTION | SOVRANA COLLECTION | COSMO collection

Registered Office
Chitrakoot, 10th Floor, 230 A, A J C Bose Road, Kolkata-700020
Ph: 76040 88814/15/16/17 | Email: info@laopala.in | www.laopala.in

With Best compliments From

Anzen Exports
&
Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

DEALER IMPORTER EXPORTER INDENTING AGENT FOR ALL KINDS OF ACTIVE PHARMACEUTICAL INGREDIENTS, PHYTOCHEMICALS, HERBAL EXTRACTS & ESSENTIAL OILS

KOLKATA

Anzen Exports

Regd. Office : 55/3D, Ballygunge Circular Road
Ground Floor, Kolkata-700 019, India

Admn. & Corres. Office :
157, Sarat Bose Road, 2nd Floor
Kolkata-700 026, India
20C, Hazra Road, 1st Floor, Kolkata-700 026, India
Tel : 91-33-2454 9650/51, 91-33-2454 8159
E-mail: info@anzen.co.in Web: www.anzen.co.in

MUMBAI

Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

205-206, Laxmi Plaza, Laxmi Industrial Estate
New Link Road, Andheri (W)
Mumbai - 400 053, India
P : +91 (22) 2635 4800 / 2635 4900
F: +91 (22) 6692 3929 / 2631 8808
Email: shubham@shubham.co.in

राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति

प्रदेश की प्रथम महिला श्रीमती सुदेश धनखड़ को सम्मानित करती सम्मेलन की प्रथम महिला श्रीमती प्रभा सराफ।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश जैन** ने अतिथियों को बूके, शॉल, मेमेन्टो आदि प्रदान कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, प्रादेशिक महामंत्री श्री शिव कुमार गुजरवासिया, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री विजय कुमार डोकानियाँ, सर्वश्री द्वारका प्रसाद डावड़ीवाल, बनवारीलाल सोती, शिव भगवान बगड़िया, श्याम सुंदर बेरीवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, पवन जालान, कमल सिंह सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य सज्जन एवं महिलाएँ उपस्थित थी।

प्रान्तीय समाचार

दक्षिण दिल्ली शाखा का गोवर्धन पूजा व दीपावली मिलन समारोह

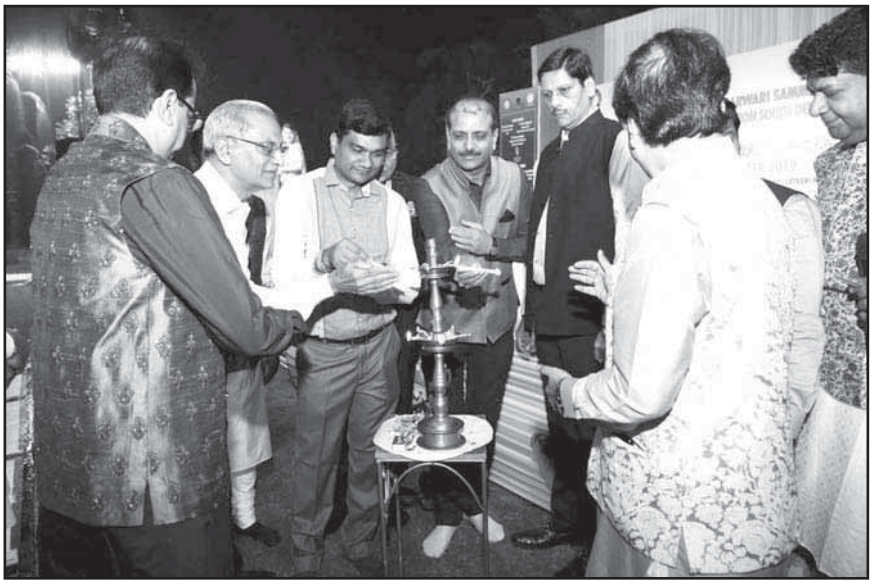

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा ने मारवाड़ी युवा मंच एवं वैश्य फेडरेशन साउथ दिल्ली शाखा के साथ मिलकर गत २८ अक्तूबर २०१९ को गोवर्धन पूजा व दीपावली मिलन समारोह का अतिसुन्दर, व्यवस्थित एवं पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें लगभग ५०० समाजबंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा**, रा. उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका**, प्रांतीय महामंत्री एवं निर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** तथा समाजसेवी **श्री रामावतार किला**, की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के आयोजन में शाखाध्यक्ष **श्री बीरेन्द्र बाजोरिया**, स्थापक शाखा अध्यक्ष **श्री विनोद किला**, संयोजक **श्री शिव महीपाल**, **श्री अरुण रूँगटा** एवं दक्षिण दिल्ली शाखा की पूरी टीम ने समर्पित भूमिका निभाई।

वर्तमान सत्र में करीब ११ हजार नये सदस्य सम्मेलन से जुड़े : संतोष सराफ

बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन मुख्यालय सभागार में गत ०२ नवम्बर २०१९ को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के सभापतित्व में आयोजित की गई।

अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि वर्तमान सत्र के १७ माह में पूरे देश से करीब ११ हजार नये सदस्य सम्मेलन से जुड़े हैं। इनमें **१०२ विशिष्ट संरक्षक,** २९ संरक्षक, २ वार्षिक एवं शेष आजीवन सदस्य हैं। इसके लिए उन्होंने बिहार, उत्कल, पूर्वोत्तर, झारखण्ड तथा पश्चिम बंग के प्रान्तों सहित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तथा संगठन के दक्षिण भारत प्रभारी श्री बसन्त मित्तल के प्रति आभार जताया। **श्री सराफ ने बताया कि राज्य की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बंद्योपाध्याय ने इस वर्ष प्रथम बार विजयादशमी एवं दीपावली प्रीति सम्मेलनी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष होने के नाते मुझे आमंत्रित किया। यह हमारे समाज के लिए गौरव की बात है।**

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने समिति की पिछली बैठक (२९ जून २०१९, कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो पारित हुआ। उन्होंने पिछली बैठक के बाद के क्रियाकलापों पर 'महामंत्री की रपट' भी प्रस्तुत की। भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए श्री झुनझुनवाला ने बताया कि **९ नवम्बर को ४०, आयरन साईड रोड में दीपावली प्रीति मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा, जिसमें बतौर प्रमुख अतिथि राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़ पधारेंगे।**

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने बताया कि सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन में दिये जाने वाले 'भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान' की राशि को रू. ११ हजार से बढ़ाकर रू. ५१ हजार कर दिया गया है।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन डॉट कॉम के नाम से सम्मेलन की वेबसाईट बनाई गई है, इसमें सम्मेलन के विगत ८४ वर्षों की जो जानकारियाँ उपलब्ध हैं, उन्हें समाहित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि समाज के और लोगों को अभी भी सम्मेलन से जोड़ने की जरूरत है। फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने सम्मेलन की वित्तीय स्थिति के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि समाज विकास के खर्चे के विषय में विचार-विमर्श की आवश्यकता है। पूर्व महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने बताया कि समाज-सुधार के लिए गोष्ठियों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास चल रहा है। धन्यवाद-ज्ञापन राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने किया। बैठक में सर्वश्री सुरेश अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, रवि लोहिया, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, संदीप सेक्सरिया, सुरेन्द्र क्याल, अरुण मल्लावत, आदित्य चौधरी, अमित मूँधड़ा, विनय सराफ आदि उपस्थित थे।

दीपावली प्रीति मिलन समारोह

रांची, सोमवार २८ अक्टूबर २०१९ को मारवाड़ी सहायक समिति के तत्वावधान में समाज का दीपावली प्रीति मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन के साथ-साथ अग्रवाल सभा, माहेश्वरी सभा, दिगंबर जैन पंचायत, ओसवाल सभा, विजयवर्गीय सभा, सैन समाज सहित मारवाड़ी समाज की सभी अनुषांगिक संस्थाओं ने शिरकत की। गणेश वंदना के पश्चात सामूहिक दीप प्रज्वलित करके समारोह का शुभारम्भ किया गया।

समाज के सभी बंधुओं ने एक दूसरे का अभिवादन करके मंगलकामना की। कोलकाता से आमंत्रित कलाकारों ने सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समाज की उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। महिलाओं ने रंगोली एवं दीप सज्जा प्रतियोगिता में भाग लिया। Amature Powerlifting Federation of India के तत्वावधान में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खेल में विजयी मारवाड़ी युवक व्यायामशाला के प्रतियोगियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

१. श्रीमती लक्ष्मी शर्मा ९० किलोग्राम - स्वर्ण
२. श्री संदीप तिवारी ९० किलोग्राम - रजत
३. श्री राणा हर्षवीर ८३ किलाग्राम - स्वर्ण
४. श्री संदीप तिवारी ७५ किलोग्राम - स्वर्ण

(श्रीमती लक्ष्मी शर्मा को पुरस्कृत करते हुए श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया)

मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष **श्री प्रदीप राजगढ़िया** ने समाजबंधुओं का स्वागत किया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी**, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री भारचन्द पोद्दार, श्री राजकुमार केडिया**, पूर्व उपाध्यक्ष **श्री धर्मचंद जैन रारा, श्री रतनलाल बंका, श्री ओम प्रकाश प्रणव, श्री चंडी प्रसाद डाकिया**, प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**, पूर्व न्यायमूर्ति **श्री रमेश मेरठिया** के साथ-साथ श्री देवकीनंदन नारसरिया, श्री ललित पोद्दार, श्री पवन पोद्दार, श्री दीपक मारू, श्री शिवशंकर साबू, श्री पवन शर्मा, श्री जगदीश सेन, श्री पूरणमल जैन, श्री पूरणमल जैन, श्री अरुण केजरीवाल, श्री सज्जन पड़िया, श्री विजय खोवाल, श्री आनंद जालान, श्री कमल केडिया सहित करीब ७००-८०० समाजबंधु उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक जलपान का लुत्फ उठाया एवं समाज के व्यापक हित में मारवाड़ी भवन प्रांगण में छात्रावास एवं बच्चों के कोचिंग सेंटर निर्माण करने का संकल्प व्यक्त किया।

मारवाड़ी सहायक समिति के निवर्तमान अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने मंच संचालन किया। मंत्री श्री मनोज जौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए १०७ वर्ष पुरानी संस्था को सबके सहयोग से नया रूप देने का आह्वान किया।

मयंक देश के सबसे कम उम्र के जज बने

जयपुर के मयंक देश में सबसे कम उम्र के जज बने, उन्होंने २१ साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की!

राजस्थान के २१ साल के मयंक प्रताप सिंह देश के सबसे कम उम्र के जज बनेंगे। उन्होंने राजस्थान न्यायिक सेवा (आरजेएस) २०१८ की परीक्षा में १९७ अंकों के साथ टॉप किया। मयंक ने महज २१ साल १० महीने ९ दिन की उम्र में यह परीक्षा पास की। यह उनका पहला प्रयास था। परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम उम्र २३ साल थी। इसी साल इसे घटाकर २१ साल किया गया।

राजस्थान की बेटी – देश की गौरव

मेजर दीपिका राठौर, विशिष्ट सेवा मेडल

राजस्थान की बेटी मेजर दीपिका राठौर, विशिष्ट सेवा मेडल, सम्मानीय भारतीय सेना के कोर्प ऑफ ऑर्डेनेन्स कार्य में सेवारत है। वे उदार दृष्टिकोण की धनीं है एवं बहादुरी के अनेक कारनामें कर चुकी हैं।

वे प्रथम में भारतीय सेना महिला एवरेस्ट अभियान दल के सदस्य के रूप में २५ मई २०१२ को एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने में सफल हुई। तत्पश्चात उन्हें प्रथम एन.सी.सी. बालिका एवरेस्ट अभियान का प्रशासनिक एवं प्रशिक्षक अधिकारी नियुक्त किया गया। दो वर्षों तक वे अकेली अधिकारी थी जो महिला कैडेट अभियान के सभी सदस्य के प्रशिक्षण, प्रशासन एवं प्रेरणा के लिये जिम्मेदार थी। सन् २०१६ में उन्होंने इस महिला दल का एवरेस्ट अभियान का नेतृत्व भी किया। उन्होंने बहादुरी एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए शेरपा की अनुपस्थिति में भी इस अभियान दल का सक्षम नेतृत्व किया। अपने नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए पूरे दल में आशा एवं संकल्प का संचार किया। अपने कौशल, लगन एवं साहस के बलबूते पर एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली दल की प्रथम महिला थी। उसके बाद दल के सभी सदस्यों को शिखर पर पहुँचने के लिए प्रेरित किया एवं कामयाबी दिलाया। इस प्रकार बिना किसी पूर्व निर्धारित योजना के इस दल ने किसी एक राष्ट्र से सबसे अधिक महिलाओं का एक साथ एवरेस्ट पर पहुँचने का विश्व कीर्तिमान बनाया। सभी महिला कैडेट सकुशल वापस लौट गये, जोकि अपने आप में एक कीर्तिमान था।

एवरेस्ट के अलावा उन्होंने हिमालय के अन्य चोटियों पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई की है, जिनमें शामिल हैंः माउंट केदारडोम, माउंट अभिगामिन, गंगोत्री-II, माउंट थेलू, माउंट त्रिशूल, माउंट सीतीघर, फ्रेंडसीप चोटी एवं माउंट देव टीब्बा। इस प्रकार वे एवरेस्ट शिखर की दो बार सफल चढ़ाई करनेवाली भारतीय सेवा की प्रथम एवं एकमात्र महिला अधिकारी बन गई। पूरे भारत में तीसरी महिला एवं पूरे विश्व में सिर्फ २९ महिलाओं में शामिल हो गई, जिन्हें यह महारत हासिल है। इन सब के अतिरिक्त उन्होने अन्य क्षेत्रों में भी अपने अदम्य साहस, कौशल, समर्पण एवं सकारात्मक सोच का परिचय दिया। इसी कारण उन्होंने निम्नलिखित सफलता भी हासिल की हैं :–

१. वे एकमात्र महिला अधिकारी हैं, जिन्होनें भारतीय सेना के अडवेंचर कप में दल के कैप्टन के रूप में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ९ किलोमीटर पहाड़ पर दौड़ना, ११ किलोमीटर पहाड़ पर साइकिल चलाना एवं १६ किलोमीटर जल में राफ्टिंग करना शामिल है।

२. सन् २०१७ में भारतीय सेनाध्यक्ष के प्रशस्ति से सम्मानित किया गया।

३. सन् २०१५ में यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत NCC कैडेटदल का सिंगापुर के लिए नेतृत्व किया।

४. सन् २०१३ में गणतंत्र दिवस पैरेड के समय राजपथ पर सेना के ऑर्डेनेन्स कोर्प की टुकड़ी का नेतृत्व किया।

५. सन् २०१३ में उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया।

६. सन् २००९ में इस्टर्न कमांड दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

७. सन् २००८ में चेन्नई में OTA प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया।

इस प्रकार अपने शौर्य एवं साहस के बल पर मेजर राठौर ने राजस्थान एवं देश का माथा ऊँचा किया। उनकी सफलताओं के लिए उन्हें अनेकानेक बधाईयाँ। हम आशा व्यक्त करते हैं कि भविष्य में वे नये नये ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगी। समाज विकास की हार्दिक शुभकामनाएँ!

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

प्रांतीय समाचार : झारखण्ड

एसएसपी से मिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल

खिरवाल बंधुओं पर हुए गोलीकांड व लूट की घटना को लेकर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल एसएसपी से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने किया। श्री अग्रवाल ने एसएसपी से कहा कि त्योहारों का आगाज है। ऐसे में आपराधिक घटनाओं को लेकर व्यापारियों व समाज में भय का माहौल व्याप्त है। घटना के ७२ घंटे बीत जाने के बाद भी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने से व्यापारी समाज में आक्रोश की भावना है। व्यापारी समाज के लिये घोर चिंता का विषय है कि सरे आम पांच अपराधी हथियार लहराते हुए शहर के प्रमुख इलाका लालपुर चौक स्थित गहना घर प्रतिष्ठान में खिरवाल बंधुओं पर गोली चलाते हुए लूटकर फरार हो जाते हैं। इस घटना से अपराधियों का मनोबल मजबूत होता है एवं कानून विधि व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा होता है। एसएसपी ने भरोसा जताते हुए कहा कि जल्द ही अपराधी सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने व्यापारी समाज को आश्वस्त करते हुए कहा कि अनुसंधान जारी है। राज्य के बाहर के अपराधियों ने घटनाक्रम को अंजाम दिया है। जल्द ही इस घटना का उद्‌भेदन कर लिया जाएगा। शिष्टमंडल में राजकुमार केडिया, राजकुमार मारू, मनोज बजाज, प्रमोद सारस्वत, शिव शंकर साबू, अभिषेक अग्रवाल, अमित शर्मा, शशांक भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

समाचार सार

गोइन्का राजस्थानी साहित्य पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

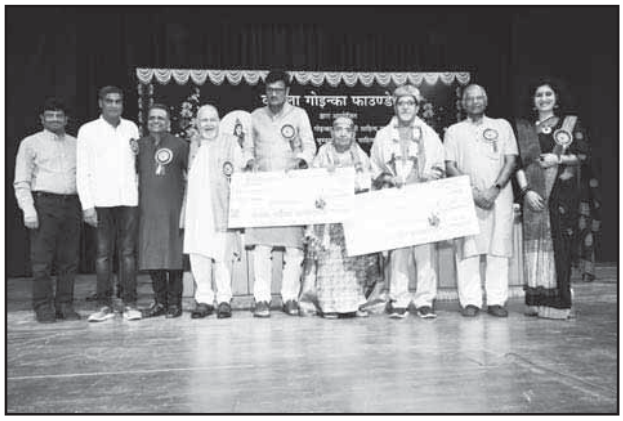

चूरु जिले के सम्मानित विधायक श्री राजेन्द्र सिंह जी राठौड़ की अध्यक्षता में "मातुश्री कमला गोइन्का राजस्थानी साहित्य पुरस्कार" वितरण समारोह जयपुर (राजस्थान) में भारतीय विद्या भवन के "महाराणा प्रताप सभागृह" में संपन्न हुआ। इस अवसर पर फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी श्री श्यामसुन्दर गोइन्का द्वारा कोटा राजस्थान के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री अंबिका दत्त जी को पुरस्कार स्वरूप एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपये नगद के संग श्री राजेन्द्रसिंह जी के हाथों शॉल, श्रीफल व स्मृतिचिन्ह भेंट कर पुरस्कृत किया गया।

संग-संग जयपुर की स्वनामधन्य साहित्यकार श्रीमती सावित्री चौधरी जी को भी "रानी लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत महिला साहित्यकार पुरस्कार" के तहत पुरस्कार स्वरूप इकतीस हजार रुपये नगद के संग समारोह अध्यक्ष के हाथों शॉल, श्रीफल व स्मृतिचिन्ह भेंट कर पुरस्कृत किया गया।

समारोह अध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ जी ने सम्मानमूर्ति साहित्यकारों का अभिनन्दन किया तथा गोईन्का जी को साहित्यिक गतिविधियों के लिए बधाई देते हुए हिन्दी, राजस्थानी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल एवं मलयालम आदि साहित्य के प्रति किये जा रहे कार्यों की भरपूर सराहना की।

विश्व में अधिकांश लोग इसलिये असफल हो जाते हैं, क्योंकि उनमें समय पर साहस का संचार नहीं हो पाता। वे भयभीत हो उठते हैं।

समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

हमारी संस्कृति के अनुसार जन्म से मृत्यु पर्यन्त अनेक संस्कारों की व्यवस्था है एवं सबका अपना अपना महत्व है। पाणिग्रहण संस्कार से गृहस्थ जीवन का शुभारम्भ होता है इसलिए इसका विशेष महत्व है। आज के इस आपा-धापी के युग में वैवाहिक रिश्ते तय करना बहुत कठिन कार्य होता जा रहा है। अतीत में संयुक्त परिवार में परिवार का मुखिया इन सब दायित्वों का निर्वहन बखूबी कर लिया करते थे। एकल परिवार, उच्च आधुनिक शिक्षा, आर्थिक स्वावलम्बन एवं व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की वजह से रिश्ते तय होने में परेशानियाँ आ रही है।

वैवाहिक सम्बन्ध विच्छेद के लिए अंग्रेजी भाषा में Divorce एवं उर्दू भाषा में तलाक शब्द है परन्तु हिंदी या संस्कृत में इस तरह के किसी भी शब्द का उल्लेख नहीं है यानि सनातन संस्कृति में विवाह संपन्न हो जाने के बाद विच्छेद करने की कल्पना भी नहीं की गयी थी। पवित्र अग्नि की साक्षी में फेरे लेने के क्रम में वर-वधु एक दूसरे को कुछ वचन देते हैं, यदि इन वचनों का शपथ की तरह पालन किया जाये तो तलाक की बात तो दूर कभी झगड़ा भी नहीं हो सकता।

आज से ४०-५० वर्ष पूर्व तलाक सुनने में नहीं आते थे। तलाक के कई कारण हो सकते हैं –

क्षीण होते संस्कार - पश्चिमी संस्कृति से हम इतने प्रभावित हो गये हैं कि बच्चों को अपनी परम्परा एवं संस्कृति से अनभिज्ञ रखते हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली में भी अपनी संस्कृति की शिक्षा देने का कोई प्रयास नहीं होता। वैवाहिक बंधन हमारी संस्कृति का एक अनुपम उपहार है जो अक्षुण्ण रहने के लिए बना है। एक दूसरे के प्रति सम्मान है, अथाह अपार प्यार का संसार है और यही संस्कार है। सदा एक दूसरे की हित की चाह रखते हैं, एक दूसरे का ध्यान रखते हैं, ख्याल रखते हैं। एक भावनात्मक गठजोड़ हो जाता है, इसीलिए विवाह के समय "गठजोड़ा" किया जाता है। आज इन संस्कारों की कमी तलाक का कारण बनता जा रहा है।

स्वयं के सम्मान की प्रचुरता - तलाक का एक कारण स्वयं को श्रेष्ठ समझना एवं आत्म सम्मान की आड़ में स्वयं के सम्मान की प्रमुखता है जिसे अहम की समस्या कहते हैं। अपना अपना अहम एक दूसरे पर हावी होता है, इस कारण कोई समझौता नहीं करना चाहता, हार नहीं मानना चाहता, 'सामंजस्य' बैठाने का प्रयास नहीं करता। एक दूसरे की बात अनसुनी करना तथा तर्क वितर्क करना, बोलचाल भी बंद हो जाना, एक दूसरे के प्रति सम्मान तो रहता ही नहीं जो अंततः तलाक का कारण बनता है। लड़कियों में आर्थिक स्वावलम्बन एवं लड़कों में पौरुष सत्ता का गुमान, कोई झुकना नहीं चाहता एवं सम्बन्धों में लचीलापन समाप्त होने पर टूटना अपरिहार्य हो जाता हैं।

वैवाहिक आयु में वृद्धि – आजकल प्रायः २५ वर्ष से पहले लड़की एवं २७-२८ के पूर्व लड़कों की शादी नहीं होती। वैवाहिक सम्बन्ध एक पवित्र समझौता है। ज्यादा परिपक्व उम्र होने पर अपनी मान्यताओं, धारणाओं एवं विचारों में लचीलापन कम हो जाता है एवं एक दूसरे के अनुकूल ढलने की प्रवृत्ति कम होने से समस्यायें शुरु हो जाती है।

ससुराल में पीहर का दखल – पहले लड़की की शादी के बाद पीहर वालों का लड़की के जीवन में दखल ज्यादा नहीं होता था। आजकल पीहर वालों का विशेषकर अधिक लाड़ प्यार की वजह से लड़की की माँ का दिन भर लड़की से बात करने का सिलसिला चालू रहता है। लड़की ससुराल की हर छोटी बड़ी बात पीहर वालों को बताती रहती है। जो बात पीहर वालों को थोड़ी भी नागवार लगती है उसके विरुद्ध बगावत करने की राय दे दी जाती है। हर परिवार की परिस्थितियों में कम बेसी भिन्नता होती है – सामंजस्य बैठाना पड़ता है, जो पीहरवालों के अनावश्यक हस्तक्षेप से मुश्किल हो जाता है। सुसंस्कार, विनम्रता, सहनशीलता, परष्पर सहयोग एवं सम्मान की भावना में कमी पारिवारिक कलह, अनावश्यक हस्तक्षेप, मन मुटाव, तलाक की बड़ी वजह है।

भौतिक जीवन शैली – आज हमारी जीवन शैली पश्चिमी सभ्यता से अत्यधिक प्रभावित है। एकल परिवार, स्वछंद एवं

स्वेच्छाचारी जीवन, टूटते सम्बन्ध, मांस मदिरा का व्यसन, वयस्क होते ही बच्चों का अलगाव, अवैध सम्बन्ध, वैवाहिक सम्बन्धों में टिकाऊपन का अभाव आदि अनेक ऐसी बाते हैं जो नयी पीढ़ी को प्रभावित कर रही हैं और इसी वजह से हमारे यहाँ भी तलाक की घटनाओं में वृद्धि होती जा रही है। व्यक्तिगत महत्वकांक्षायें वैवाहिक संबंधों पर हावी होती जा रही है। भौतिक जीवनशैली स्वछंदता एवं स्वेच्छाचारिता की ओर आकर्षित करती है। यह आकर्षण सम्बन्धों में दरार डालता जाता है और तलाक का कारण बनता है।

इस समस्या के निवारण हेतु हमें बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा पर ध्यान देना होगा। उन्हें संस्कारित करना होगा। उनमें विनम्रता एवं सहनशीलता का बीजारोपण करना होगा। उन्हें सामाजिकता का पाठ पढ़ाना होगा। सहायता एवं सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना होगा। उनमें दया एवं करुणा का संचार हो ऐसा वातावरण बनाना होगा। हमारी संस्कृति बेजोड़ है यह भावना शुरु से ही उनके मस्तिष्क पटल पर अंकित करना होगा। पश्चिमी एवं इस्लामिक संस्कृति के विरादाभाषों को उनके सामने परिभाषित करना होगा। विवाह संबंध का महत्व, पवित्र अग्नि के समक्ष दिये गये वचनों के पालन की महत्ता और आपसी सामंजस्य की आवश्यकता पर उन्हें शिक्षित करना होगा। इन सब के लिए समय समय पर विशेष कक्षाओं का आयोजन करना होगा। इन सब विषयों पर विद्वानों के व्याख्यानों का आयोजन करना होगा। पीहर वालों का लड़की की व्यक्तिगत जीवन में ज्यादा हस्तक्षेप से परहेज करना होगा।

कभी कभी तलाक टाला नहीं जा सकता। पुराने जमाने के ऐसे बहुत से उदाहरण सुनने को मिलते हैं जब लड़की असहाय होती थी और पति की अनेक प्रताड़ना सहती थी। उस समय वह निर्बल होती थी। पति पर आश्रित होती थी पीहरवाले भी मदद करने में लाचार होते थे। ससुराल में कोई उनका पक्ष लेनेवाला नहीं होता था। जब ऐसी स्थिति हो तो उस नारकीय जिंदगी से तलाक ही बेहतर है। आज भी अगर समस्या सुलझ नहीं सकती तो तलाक ही विकल्प है। पति बेरोजगार हो, केवल पत्नी कमाती हो, पति को नशे की आदत हो, पैसों के लिए पत्नी से मारपीट करता हो तो ऐसी हालत में तलाक जायज है।

समय के कालचक्र में अपने समाज में भी कई कुरीतियों का समावेश हुआ जैसे पर्दा प्रथा, बालविवाह, दहेज आदि। सम्मेलन ने इनके निराकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज कमोवेश ये बुराइयां समाप्त हो गई है। विधवा विवाह का भी सम्मेलन ने समर्थन कर इसकी शुरुआत की। स्त्री शिक्षा के प्रचार-प्रसार में भी सम्मेलन ने अपना दायित्व निभाया है। आज हमारी बच्चियां शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों से ज्यादा प्रगति कर रही है। आज समय की आवश्यकता है कि तलाक की समस्या के निराकरण में भी सम्मेलन को आगे आकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए। गोष्ठियों के आयोजन द्वारा, व्याख्यानों के प्रबंध द्वारा, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कक्षाएं चलाकर, साहित्य के द्वारा प्रचार-प्रसार करके तथा ऐसे ही और अनेक तरीके हो सकते हैं जिनके द्वारा हम इस तलाक रूपी असुर का दहन कर सकते हैं। चिंतन करने से कई रास्ते खुलेंगे।

गुड गवर्नेन्स के लिए प्रदेश को मिला देश में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

राजस्थान गुड गवर्नेन्स के मामले में देश में पहले नंबर पर रहा है। प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान की ओर से 'स्टेट ऑफ स्टेट्स कॉन्क्लेव २०१९' में राजस्थान को 'बेस्ट परफार्मिंग बिग स्टेट इन गवर्नेन्स' घोषित किया गया है। दिल्ली में आयोजित कॉन्क्लेव में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गहलोत को यह अवार्ड दिया।

गवर्नेन्स के क्षेत्र में इस रैंकिंग के लिए विधायकों के आपराधिक रिकॉर्ड, पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी, पंचायतीराज संस्थाओं के लिए अधिकारों के वितरण, नागरिकों और पंचायतों के लिए ई-सेवा जैसे कार्यों को आधार माना गया। इस अवसर पर गहलोत ने कहा कि राजस्थान सुशासन के क्षेत्र में हमेशा ही अग्रणी रहा है। राजस्थान ने देश में सबसे पहले सूचना का अधिकार कानून लागू किया। राजस्थान की जनता को सुनवाई का अधिकार दिया है। गहलोत ने कहा कि मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार ने सख्त कानून बनाया है। ऑनर किलिंग के खिलाफ भी सख्त कानून बनाया है। जिससे लोगों के मर्जी से जीने के अधिकार और जाति या धर्म के आधार पर सामाजिक भेदभाव को रोकने को मजबूती मिलेगी।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब दो करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
  - **Radiology**
    - Digital X-Ray
    - Ultrasonography
    - Colour Doppler Study
  - **Cardiology**
    - ECG
    - Echo-Cardiography
    - Echo-Colour Doppler
    - Holter Monitoring
    - Treadmill Test (TMT)
    - Pulmonary Function Test (PFT)
  - **Neurology**
    - EMG
    - NCV
    - EEG
  - **Gastro Enterology:**
    - UGI Endoscopy
    - Colonoscopy
- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475

98300 19073

Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

लोकगीतों में खेल रमण

– किरण राजपुरोहित
'नितिला'

रंगीले राजस्थान की हर बात रोचक और निराली है। परंपरा की प्रचुरता और संस्कृति की समृद्धता के साथ ही वैज्ञानिक आधार जितना इस प्रदेश का है, उसका कोई सानी नहीं। आज के राजस्थान के राज्य की भौगोलिक सीमा छोड़कर देखें तो इसकी सांस्कृतिक सीमा जो आज भी चारों दिशाओं में खूब फैली और फली दृष्टिगोचर होती है। मालवा, कच्छ, सिंध, बृजभूम, हरियाणा से होते हुए कजाक क्षेत्र तक पहुंची हुई है। लोक संपदा किसी भी संस्कृति को धनवान और गर्वीली बनाती है। तभी तो पानी की कमी में भी जीजीविषा जलाये रखने वाले इस भूमि को लोक संपदा का खजाना कहा जाता है। इसका मुख्य आधार है यहां के गीत।

जन्म से लेकर मरण तक के गीत यहां सदियों से प्रचलित है। मरण भी यहां एक उच्छब है जिसे ढोल और गीत से सजाकर ईश्वर की बनाई इस देह को सस्वर विदाई दी जाती है। जनम, संस्कार, विवाह के अलावा जीवन में रमतिया यानि खेलना भी एक महत्वपूर्ण है।

खेल रमण और गायन

घर के पे ले या चौकी पर बैठी सुवासणियों की मंडली चौपड़-पासा, चर-भर, गड्डा, अष्टा-चंगा खेलते-खेलते गीतों में डूब जाया करती थी। ये गीत किसी भी मौसम में किसी भी समय में गाये जा सकते थे। खेती-बाड़ी के महीनों के अलावा दिनों में शायद फुरसत के समय इनकी भरमार रहती होगी। जिस समय ये गीत चलन में थे तब जीवन की गति धीमी थी पर इंसान को लगभग सारे काम हाथ से करने होते थे। खेती-बाड़ी हो या लिपाई-पुताई, पानी लाना हो या निकट के गांवतरे। अपने शरीर और इसकी क्षमता का पूरा दोहन होता था। फलस्वरूप थके हुए तन और मन को रंजन से सरोबार करने के लिए गीत सबसे श्रेष्ठ माध्यम होते थे।

चाँहटे पर खेलने के लिए तैयार बैठी सखियां गीत या केलना शुरू करने से पहले सभी सखियों और साथणियों को बुला कर इकट्ठा कंरती है। तब यह गीत गाया जाता है। 'चाँहटो' गीत इसे रमतिया के गीतों की वंदना कह सकते है।

इंडियो-खिंडियो फूलां री माळा
आओ ए साथणियों रमण री बेळा
एक नीं आई किरण साधण उणरो वाढूं नक
तक मती बढ़जे साथणियां ए रमसा सारी रत
रमण जोगो चाँहटो ए खेलण जोगी रत
बाबोसा मोतायो चांवटो ए वीरोसा मोलाई रत
फूलां छायो चांवटो ए तारां छाई रत

इसी तरह से जो साथण नहीं आई होती है उसके नाम से ये गाया जाता है। खेलना कितना अनिवार्य माना जाता होगा ना तभी तो गीतों में ये परंपरा डाली गई। अद्‌भुत है लोक संस्कृति जो मनुष्य के केवल भले की ही बात करती है।

भाई बहन के संवाद गायन

इन गीतों में से कुछ खास गीतों का यहां जिक्र है- इस गीत में बचपन में भाई-बहन जब साथ खेले थे उन दिनों को याद करते हुए ब्याह के बाद जब बहन पीहर आती है तब उससे भाई पूछता है कि बहना तुम सासरे में क्या करती थी? तब बहन कहती है कि मैं मोती-माणक से बंदनवार और खिलौने बनाते हुए भाई की प्रतीक्षा करती थी। यही बात बहन पूछती है तो भाई कहता है बागों में दड़ी से खेलते थे और कोयल से बातें करते थेः

थे ई ओ बाईसा म्हारा सासरियै
कांई करता ओ राज
मोती पोवता माणक पोवता वीरोसा
री बाटां जोवता म्हारा
थे ई ओ वीरोसा म्हारा बागां में कांई करता ओ राज
दड़ीक रमता दोटा देता कोयला
उं बातां करता ओ राज

इस गीत में सखियां खुशी से खेलते हुए कहती है कि पिताजी की प्रौल में आओ खेलें। खेलते हुए धीव बड़ी हो जाती है और सासरे में पराई मां और नणद मिलती है जो उसे चरखा कातने को देती है। चरखा कातते हुए उसे नींद आती है पर सास के डर के मारे सो नहीं सकती तब वो मन ही मन गुस्सा करती है और कहती है कि मेरे भाई को आने दो तब देखती हूं क्या करती हो। इस कारण वो मां और ननद को खड्डे में डालने तक का सोच लेती है। तभी उसे ख्याल आता है कि ननदोई या कोई और आयेगा तो वह क्या जवाब देगी? मन ही मन तय करती है कि कह देगी कि सास तो पीहर गई है और ननद ससुराल। वैसे ये गुस्से की बातें है क्योंकि वह अभी बच्ची है और उसको खेलने का बहुत मन है पर ससुराल में काम के मारे खेलने को फुरसत नहीं मिलती तब वो ऐसा सोच बैठती हैः

रमो-रमो ऐ साथणियां ए लूंबाळी डोरी
रमलो बाबोसा री पौळ वरी ए लूंबाळी डोरी
रम रम चाली सासरै लूंबाळी डोरी
आगै पराई ए मांय बरी ए लूंबाळी डोरी
आगै नणंदल री ए मांय वरी ए लूंबाळी डोरी
सासूजी दीनों अरटियो ए लूंबाळी डोरी

घुळ-घुळ आवै नींद वरी ए लूंबाळी डोरी
आवण दै म्हारा वीरा नै लूंबाळी डोरी
उंडी खिणाउं रै खाड वरी ए लूंबाळी डोरी
नीचै तौ न्हाखूं नणदल नै लूंबाळी डोरी
उपर नणदल री ए मांय वरी ए लूंबाळी डोरी
नणदोइ आया पांवणा ए लूंबाळी डोरी
कांई देउं रे जबाब वरी ए लूंबाळी डोरी
झींणो जी काढूं जी घूंघटो ए लूंबाळी डोरी
तीखो जी काढूं घूंघटो ए लूंबाळी डोरी
जब जब देउं रै जबाब वरी ए लूंबाळी डोरी
बाईसा चालया नानाणै ए लूंबाळी डोरी
सासूजी सिधाया पीर वरी ए लूंबाळी डोरी।

इसी तरह से ये गीत है जिसमें चौंहटे से गुजरते हुए एक बेटी अपने बाबोसा से कहती है कि बैल सजी हुई बैलगाड़ी को रोको। यहां मेरी सारी सखियां खेल रही है उससे मिलना है, उन संग खेलना है। बाबोसा पूछते हैं कि कौन सखी से मिलना है? तब वह एक-एक सखी का नाम लेकर उन्हें याद करती हैः

वैलड़ियों अटकै वैलड़ियों झटकै
वैलड़ियों उभी राखौ बाई रा बाबोसा
चांद घड़ी रो खेलणो
किसी बाई रो मिलणो किसी बाई रो मेळो बाई रा
बाबोसा चांद घड़ी रो खेलणो
सुषमा बाई रो मिलणो किरण बाई रो मेळो बाई रा
बाबोसा चांद घड़ी रो खेलणो
एक गीत चिरमी का भी गाया जाता है।
म्है अर म्हारी चिरमी रमण गई ए
रमती रावलिया गढ हेट
आगलै जी डाळै म्है चढी जी लारलै देवर जेठ
भोळी चिरमी ए
आगलौ ढाळौ धै पड़ियो चुड़लै लागी रेत
चुड़लौ धोवण सांचरी ए सांमी
धकयो सूवों रौ ललकार
बड्डोड़ा सुआ नै पूछियो ए म्हारै बाबोसा रो
कितरो'क राज भोळी म्हारी चिरमी ए
हाथी घोड़ा मोकळा ए कोई
करमां रौ ललकार भौळी चिरमो ए
म्है अर.....
आगलै डाळै धै पड़ियौ मूठिया लागी रेत
मूठियो धोवण सांचरी ए सांमी धकयो
आडा कौवा रौ ललकार
वडडोड़ा आडा नै पूछियो ए म्हारै सुसरोसा रो
कितरो'क राज भोळी म्हारी चिरमी ए
कुत्ता मिन्ना मोकळा ए गधों रो ललकार....

(साभार - स्वर सरिता)

"जी सोरो करा देवे"

'गूंदपाक' सियाळे में
'दही-छाछ' उँधाळे में,
'चीलड़ो' बरसात में,
'डॉयफ्रूट' बारात में...जी सोरो करा देवे।

गलरको 'खीर' रो,
'कोफ्तो' पनीर रो,
रंग केसर 'फीणी' रो,
'चूरमो' देसण चीणी रो....जी सोरो करा देवे।

रोटी 'बाजरी' री,
चटणी 'काचरी' री,
'रोटियो' भोभर(१) रो,
'बड़ो' मोठ मोगर रो....जी सोरो करा देवे।

सबड़को 'राबड़ी' रो,
स्वाद 'गुलाबड़ी' रो,
साग 'काचर फळी' रो,
मिठास 'गुड़' री डळी रो....जी सोरो करा देवै।

खुपरी 'मतीरे' री,
खुशबु 'सीरे' री,
अचार 'सांगरी केर' रो,
'भुजियो' बीकानेर रो....जी सोरो करा देवे।

'कचौड़ी' दाळ री,
'जळेबी' घाळ री,
'खीचड़ो' बाजरी मोठ रो,
मजो सावण री 'गोठ' रो....जी सोरो करा देवे।

चरकास 'कोकले'(२) रो,
रायतो 'फोगले' रो,
जायको 'खजूर' रो,
लाडू 'मोतीचूर' रो....जी सोरो करा देवे।

'दूध' घर री गाय रो,
सुर्डको गर्म 'चाय' रो,
'राजभोग' छीणे रो,
शर्बत 'केरी पोदीणे' रो....जी सोरो करा देवे।

कतली 'बिदाम' री,
बात्यां "मारवाड़ी" री,
मीठो पत्तो 'पान' रो,
खाणो 'राजस्थान' रो....जी सोरो करा देवे।

"जय राजस्थान"

(१) भोभर = थेपड़ी रा खीरा
(२) कोकला = छिलके सहित काट कर

राजिया रे सोरठे

– कृपाराम बारहठ

कूड़ा कुड़ परकास, अणहूती मेलै इसी।
उड़ती रहै अकास, रजी न लागै राजिया।।

झूटे लोग ऐसी अघटित बातों का झूटा प्रचार करते है कि वे आकाश में ही उड़ती रहती है। हे राजिया! धरती की रज तो उन्हें छू भी नही पाती।

उपजावे अनुराग, कोयल मन हरकत करै।
कड्वो लागे काग, रसना रा गुण राजिया।।

कोयल लोगो के मन में प्रेम, अनुराग उत्पन्न कर आनन्दित करती है, जबकि कौवा सब को कड़वा लगता है। हे राजिया! यह सब वाणी का ही परिणाम है।

भली बुरी री भीत, नह आणै मन में निखद।
निलजी सदा नचीत, रहै सयांणा राजिया।।

नीच व्यक्ति अपने मन में भली और बुरी बातों का तनिक भी भय नही लाते। हे राजिया! वे निर्ल्लज तो सयाने बने हुए सदैव निश्चिंत रहते हैं।

ऐस अमल आराम, सुख उछाह भेळां सयण।
होका बिना हगांम, रंग रौ हुवे न राजिया।।

एश आराम, अफीम रस की मान मनुहार और मित्र मंडली के साथ आनंद उत्सव के समय हे राजिया! यदि हुक्का नही हो, तो मजलिस में रंग नही जमता।

मद विद्या धन मान, ओछा सो उकळै अवट।
आधण रे उनमान, रहैक विरळा राजिया।।

विद्या, धन और प्रतिष्ठा पाकर ओछे आदमी अभिमान में उछलने लग जाते है। आदहन की भांति मर्यादा में यथावत रहने वाले लोग तो विरले ही होते है।

तुरत बिगाड़े तांह, पर गुण स्वाद स्वरूप नै।
मित्राई पय मांह, रीगल खटाई राजिया।।

जिस प्रकार दूध में खटाई पड़ने पर उसके गुण, स्वाद और स्वरूप में विकृति आ जाती है, उसी प्रकार है राजिया! मसखरियों से मन फटकर मित्रता शीघ्र ही नष्ट हो जाती है।

सब देखै संसार, निपट करै गाहक निजर।
जाणै जांणणहार, रतना पारख राजिया।।

यों तो सभी लोग ग्राहक की नजर से वस्तुओं को देखते हैं किंतु उनके गुण दोषों की पहचान हर एक व्यक्ति नहीं कर सकता। हे राजिया! रत्नों की परख तो केवल जौहरी ही कर सकता है।

मूरख टोळ तमांम धसकां राळै अत घणी।
गतराडो गुणग्रांम, रांडोल्या मझ राजिया।।

मूर्खों की मंडली में ही मूढ़ व्यक्ति बहुत अधिक गप्पे हांकता रहता है, जैसे रांडोल्यों में हिजड़ा भी गुणवान समझा जाता है।

हुवै न बूझणहार, जांणै कुण कीमत जठै।
बिन गाहक ब्योपार, रुळ्यौ गिणीजे राजिया।।

जहाँ पर कोई पूछने वाला भी न हो, वहां उस व्यक्ति या वस्तु का मूल्य कौन जानेगा? निश्चय ही बिना ग्राहक के व्यापार चौपट हो जाता है। हे राजिया! इसी तरह गुणग्राहक के बिना गुणवान की कद्र नही हो सकती।

गुणी सपत सुर गाय, कियौ किसब मूरख कनै।
जांणै रुनौ जाय, रन रोही में राजिया।।

गायक ने गीत के सातों स्वर गाकर मूर्ख व्यक्ति के सामने अपनी कला का प्रदर्शन किया, किंतु उसे ऐसा लगा मानो वह सूने जंगल में गाकर रोया हो। (अ-रसिक एवं गुणहीन व्यक्ति के सम्मुख कला का प्रदर्शन अरण्य रोदन के समान ही होता है)

पय मीठा पाक, जो इमरत सींचीजिए।
उर कड़वाई आक, रंच न मुकै राजिया।।

आक भले ही मीठे दूध अथवा अमृत से सींचा जाय, किंतु वह अपने अन्दर का कड़वापण किंचित भी नही छोड़ता। इसी प्रकार हे राजिया। कुटिल व्यक्ति के साथ कितना ही मधुर व्यवहार किया जाए वह अपनी कुटिलता नही छोड़ता।

रोटी चरखो राम, इतरौ मुतलब आपरौ।
की डोकरियां कांम, रांम कथा सूं राजिया।।

बुढ़ियाओं को तो रोटी, चरखा और राम-भजन, केवल इन्ही से सरोकार है। हे राजिया उन्हें राजनितिक चर्चाओं से भला क्या लेना देना?

जिण मारग औ जात, भूंडी हो अथवा भली।
बिसनी सूं सौ बात, रह्यो न जावै राजिया।।

व्यसनी पुरुष जिस मार्ग पर चलता है, चाहे वह वस्तु बुरी हो या भली वह किसी भी स्थिति में उसे छोड़ नही सकता, यह सौ बातों की एक बात है।

कारण कटक न कीध, सखरा चाहिजई सुपह।
लंक विकट गढ़ लीध, रींछ बांदरा राजिया।।

युद्ध विजय के लिए बड़ी सेना की अपेक्षा कुशल नेतृत्व ही मुख्य कारण होता है। हे राजिया! श्रेष्ठ संचालक के कारण लंका जैसे अजेय दुर्ग को रींछ और बंदरों ने ही जीत लिया।

आवै नही इलोळ बोलण चालण री विवध।।
टीटोड़यां रा टोळ, राजंहस री राजिया।।

महान व्यक्तियों के साथ रहने मात्र से ही साधारण व्यक्तियों में महानता नही आ सकती। जैसे राजहंसों का संसर्ग पाकर भी टिटहरियों का झुण्ड हंसो की सी बोल-चाल नहीं सीख पाता।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

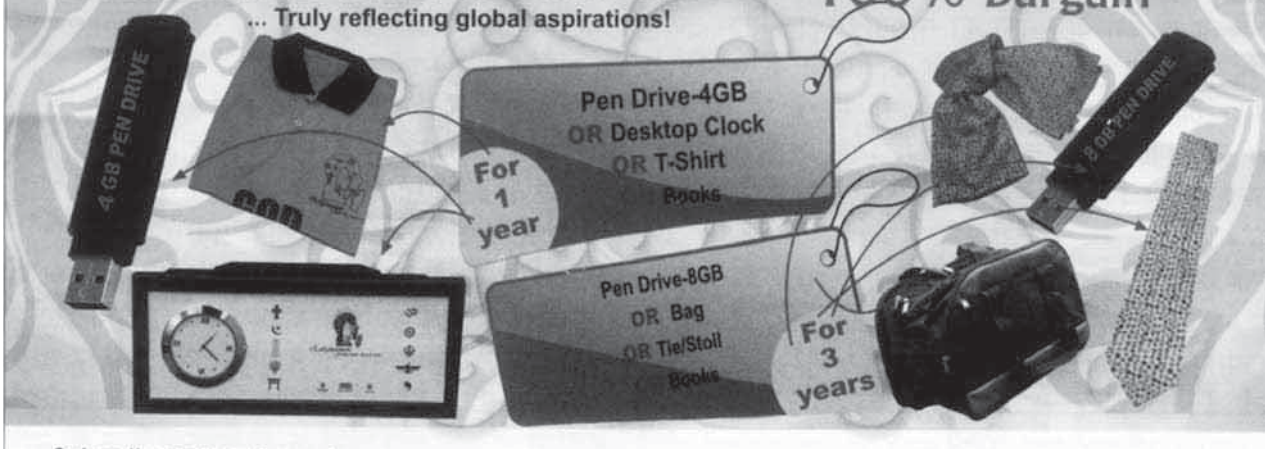

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐Bag OR ☐Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐4GB Pen Drive OR☐Desktop ClockOR☐T-Shirt OR☐Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms.

Address :

City/District :

State : Country : Pin Code :

E-mail : Mobile : Landline : (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. dated: for Rs. drawn on:

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: date:

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

ISO 9001 Certified

ORR TECHNOLOGY

SKIPPER

PIPES

"FIXED FOR LIFE"

COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS

CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE

www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

With Best compliments From

M/s. A. P. Credit Pvt. Ltd.

3/1, Dr. U. N. Brahmachari Street

Kolkata-700017

Ph: 033-22871221/1224

कहाणी

छिमादान

– सावित्री चौधरी

रमा रो काळजो धूजरयो हो - असुभ रै भै सूं। अंधेरो-सो छारयो है - आंख्यां रै साम्हीं। बा आप रै कमरै मैं जियां-तियां कर पूंची अर पीलंग माथै बैठ'र रौवण लागी। योगेस बीं री जिंदगाणी बरबाद करण रै इरादै सूं'ई आयो दीखै, उण री सासूजी रा कान भरण खातर।

योगेस सूं म्हारै परेम री बात जाणग्या है - सासूजी! अब बै योगेस नैं लिख्येड़ा म्हारा प्रेम-पत्र दिखा'र बेटै नैं भड़कासी। "बेटा, मेह तो ईं चरित्तरहीण नैं कोनी राखणी। हो सकै जितरी बेगी ईं बदचळण नैं तळाक देवणो चाहिजै।"

जितेन्दर, आथणां कंपनी सूं आज सुदयां'ई आग्यो हो, अेक भायलै री सगाई-समारोह में जावण वास्तै। पण, नूंवी बीणनीं रो उतरयो-उदास मूंडो देख'र वो चकराग्यो। "रमा, के बात है? कियां इत्तरी निढ़ाळ, अणमणी ळाग रैयी है?" उण चिंताभाव सूं पूछ्यो।

"कोई बात कोनी। अेकदम सूळ हूँ म्हैं तो।" बीं चिणक मुळ्कतां बतायो। जितेन्दर बींनैं बेगी तियार होवण वास्तै कैयो, तो बीं मना कर दियो, "आज कोनी, आपां तो ब्याव मैं'ई चाळसां।"

"कठै ताप तो नीं होर्‌यो है थारै?" उण बीं रो हाथ पकड़तां पूछ्यो। पण बीं रो हाथ तो अेकदम ठंडो हो। उण मां नैं हेळो पाड्यो।

"के बात है- बेटा? म्हनैं क्यूं बुळाई?" कमरै सूं बारै आंवता मां पूछ्यो।

"रमा, मांदी-सी कियां ळाग रैयी है- मां? के हुयो है इण रै? सुबै म्हैं दफतर जा रैयो हो, तद तो कदे हांसै ही, कदे मुळकै ही। फेर अब इतरी गुमसुम, अणमणी अर भैभीत-सी कियां ळाग रैयी है?"

"की भी नीं हुयो- बेटा। बस, इण तो पीरळा री ओल्यूं सता रैयी है। ईया कर, आज थे दोनूं सगाई- समारोह में जावण री बजाय कठै और'ई घूम-फिर आओ।"

रात आधी ढळ चुकी है। पण रमा री आंख्यां सूं नींद कोसां आंतरै ही। हिरदै सूं ब्याव होवण री खुसी, सगळी चंचळता, सगळी सरसता बिदा होगी ही जियां। आंवण आळै तूफाण बीं नै भैभीत कर राखी ही बुरी तरां सूं। जदकि जितेन्दर तो नींद में गाफळ हो रैयो हो।

बा, हळवां-सी पीळग सूं उठी अर धीरै-सी कमरै रो दरूजो खोळ'र आंगणै में आयगी। अकास में तारा टिमटिमा रैया हा। नीं जाणै बीं री निजरां कठै गमगी ही। नीं जाणै मन में कितरी है चिंतावां रै-रै कर बीं रै हिरदै नैं मथ रैयी ही।

सासूजी रै कमरै री बीजळी चसी देख'र बा समझगी कै वै भी जाग रैया है। जदी बीं नैं, उणां री हळवां-सी अवाज सुणीजी, "बीणनी, जरा अठीणै आई।"

हिरदै में अेक महापरळय रो भै ळियां बा उणा रै कमरै में सैहमी-सी गई। बीं नैं पीळंग कनैं पड़ी साइड टेबळ माथै बैठणै रो कैयो अर हळवां-सूं कमरै रा किंवाड़ जड़ दिया। पछै बीं रै कणैं पड़ी कुरसी माथै खुद बैठगी।

दोपैरी में डाकियो अैक भारी-सो ळिफाफो बां नैं दे'र गयो हो, जिण नैं देख'र बां सोच्यो कै इण में मौकळा कागद-पानड़ा है। बेटै रै नाम आयै बीं ळिफाफै नैं उणा इचरज री मारी खोल ई ळियो के इण में इतरा सारा कुण-सा कागद-पानड़ा रो पुळिंदो है? ळिफाफै में केई ळव-ळेटर हा। सगळा प्रेम-पत्र अैक छोरै रै नाम लिख्येड़ा हा।

बा आप रै कमरै में जा'र उणा चिट्ठियां नैं पढ़ण ळागी।

हरेक ळव-ळेटर रै छेकड़ में ळिखमेड़ो हो, थारी रमा। उणां चिट्ठियां में रमा योगेस नाम रै छोरै रै प्रति गैरो प्रेमभाव दरसायोड़ो हो जियां कै बा, उण रै जीव री जड़ी है अर बीं सूं'ई ब्याव करसी। उण री नीं हो सकी तो जींवती नीं रैसी।

बा, उणां चिट्ठियां नैं पढ़'र गैरै सोच अर चिंता में डूबगी। रमा अब तो उणा रै अैकूअैक बेटै री बीनणी है। दस दिन'ई तो हुआ है इणा रै ब्याव नैं। बा आछी तरां समझगी ही कै उणा री बहू ब्याव सूं पैळां साथै पढ़ण आळै किणी योगेस नाम रै छोरै नैं चावै ही। बींनैं'ई अै ळव-ळेटर ळिख्या है।

अब इणा कागदां नैं बीं ळोफर छोरै म्हारै बेटै-बहू री रचण-बसण आळी गिरस्ती में सकरा कांटा रोपण रै इरादै सूं भेज्या है। जे जितेन्दर नैं आं कागदां रो ठाह ळाग जासी कै रमा सागै पढ़ण आळै, छोरै सूं परेम करै ही, ळव-ळेटर ळिखै

ही, तो बीं रो बिसवास इण सूं उठ जासी अर इणनैं जरूर'ई तलाक दे देसी।

धणी नैं तो जोड़ायत साथै झूढंयां'ई सक-संदेह हो जावै, तो भी बापड़ी रो जीणो दूभर कर देवै है। बीं रै धणी नैं सासू, जिठाणी अर नणद भी भड़कावै है, उकसावै अर सैह देवै है। जदकि घर री ळुगाइयां नैं तो चाहिजै कै बहू-बेटी रो पक्स ळेवै, उण री हिमायत करै, तो मरद के मजाळ है कै ना-समझी में, नादाणी में हुई भूळ, गळती वास्तै जोड़ायत नैं मारै-पीटै या घरूं ई काढ़ सकै।

रमा सूं बदळो ळेवण, इण रो जमारो बरबाद करण री ध्यार ळी उण तो। अर अै प्रेम-पत्र डाक सूं म्हारै बेटै कनैं नूंड़ा दिया। बीं रै साथै रमा रो ब्याव नीं हो सक्यो तो दुसमण बणग्यो-इण रो।

बीं गैळै आ नीं सोची कै जळम, परण अर मरण तो संजोग माथै निरभर है, भाग में विधाता जो ळिख दियो, बो'ई होवै है। अै सब बातां सोचतां हुयां उणा बां कागदां नैं समेट ळिया अर हेळो पाड़यो, "बीनणी, अठै आ।"

बा, मरीचाल सूं भैभीत हो'र कमरै में बड़ी। बा बीं रै देवी-सै रूप नैं निहारण ळागी। मुळकती छबी। हंसमुख सुभाव। निरमळ आंख्यां। घर रै कामां में चतर। अंगरेजी में एम.ए. करी है। फेर भी अहंकार नीं है चिणक भी। बोळै है तो जियां फूल झरै है। हांसै है तो जियां घुघरिया बाजर्‌या है। कितरै अदब-कायदै सूं रैवै है। म्हारो भी कितरो ध्याण राखै है। ईसी सुळखणी बहू तो बडै भागां सूं मिळै है।

"मांजी, थे म्हनैं क्यूं बुळाई है?" उण डूबतै अर धूजतै सुर में पूछ्‌यो।

"बीनणी, इणा कागदां नैं तो देख।" भौत'ई अपणायत सूं कैंवता हुयां, बां सगळ ळव-ळेटर बीनैं थमा दिया। उणा कागदां नैं देखता'ई बीनैं भूवांळी-सी आयगी। हे सांवरा! अब के होसी? आ सोच'र बीं रा तो होस उडग्या अर हाथ धूजण सूं केई कागद तिसळ'र्जमीं माथै पैळग्या।

"ळाडेसर, अै ळव-ळेटर तूं ळिख्या हा?" बां हळवां-सी पूछयो। कीं भी नीं बोळ सकी बा। रंग्यै हाथां पकड़यै गए अपराधी री तरां निजरां नींची कर ळी। चे'रै माथै काळस छायगी।

"कुण है, ओ योगेस छोरो?" कोई पड़ूतर नीं।

बा तो अपणै कसूर माथै जियां जमीं में घंसी जा रैयी ही। बीं री आंख्यां सूं पसचाताप रा आंसू ढ़ळ रया हा...।

"बीनणी, अब तूं जा।" उणा भौत ई हेत-हियाव सूं बीं रा आंसू आप री साड़ी रै पळै सूं पूंछ्‌या। अर बीं रै हाथां नैं घणै हेत सूं थामतां हुयां सहद भरया सबदां में कैयो, "बीनणी, रोवै क्यूं है? म्है हूं नीं- थारी मां, थारी हिमायती!"

बा, आप रै कमरै कानीं जावण ळागी, तो सासूजी हळवां-सी बोळी, "बहू, म्हैं जाणूं हूं, समझ भी रैयी हूं, कै दोपैरी सूं'ई थारा पिराण सूळी माथै टंग्येड़ा है। हिरदै में पिछतावै अर पसचाताप रो भंभूळियो फूं-फा रैयो होसी। पण, डरपै मत चिणक भी। म्है, बेटै नैं कीं भी नीं बतास्यूं- कदे भी। रात गई, बात गई। गडया मुरदा काढ़ण सूं सिवाय हानि रै, फायदो नीं है- मासो भी।

"म्हैं, देख रैयी हूं कै म्हारो बेटो, थनैं भौत ई चावै है। ते दोनूं भौत खुस हो। थारो दिन हांसता-हांसता ओर रातां मुळकतां, खिळ-खिळातां हुयां बीत रैयी है। म्हैं, कदे भी नीं चास्यूं बिनणी, कै थां दोनां रा मन पाटज्या, सक-संदेह रै ज्हैर सूं।" ईंया कैय'र सासूजी चुप होगी।

कीं देर पछै कनैं बैठी बीनणी री पीठ नैं ममता भाव सूं सैळावंता बतायौ, "इणां कागदां नैं म्है अब फूंक देस्यूं। ना-समझी री उमर में थारै सूं हुई गळती रो नाम-निसाण ई मिटा देस्यूं- म्हैं तो। न रैसी बांस, न बाजैगी बांसरी।"

थोड़ी-सी पढ्‌येड़ी है- सासूजी, पण है खूब स्याणी अर समझदार। बै, जणी-कणी ळुगाई नैं आ'ई सिक्सा देवै है, प्रेरित करै है, कै बेटै री बहू नैं सागी धी'ई समझणी चाहिजै। जदी बुढ़ापो सुख-सांति सूं बीत सकै है।

घर-घर में जे ळुगाइयां रमा री सासूजी री तरां, बहू रै ळारळै टेम री गळती नैं रफा-दफा कर, बीं री हिमायत करै, पक्स में बोळै, बीं रै घणी नैं दकाळै, धमकावै तो बीं री हिम्मत नीं होसी कै जोड़ायत नैं कूटै-छेतै या दुखी राखै। घर सूं काढ़ण री धमकी तो बो दे'ई नीं सकै।

पण ळुगाइयां तो धणी-जोड़ायत रै आपसरी रै झगड़ै, तकरार में राजीनामो करण री बजाय धणी नैं भड़काणै मैं'ई अपणी शान समझै है। सोसित, पीड़ित ळुगाई नैं'ई बुरी, माड़ी बतावंता हुयां बांनैं ळाज नीं आवै। तळाकसुदा हो या घणी रै अत्याचार सूं दुखी हो लुगाई, बींनैं तो पढ़ी-ळिखी ळुगायां भी ताना-मीणा देवण सूं बाज नीं आवै। बीं'रै रहण-सहण माथै भी माड़ी-मंदी बातां सुणावंती रैवै है।

आ बात ळुगाइयां रै वास्तै भौत सरमआळी है। जद तांई अेक लुगाई, दुजी दुखी, सोसित ळुगाई री हिमायत करणी, बीं रै पक्स में बोळणो अपणो बिसेस फरज, जिम्मेदारी नीं समझैगी, तद तांई धणी अर गैर मरद भी बात-बात माथै बीं री हेठी, हळकाई करतो ई रैसी जियां जुगां-जुगां सूं मरदळोग करता आ रैया है।

रमा हळवां-सी आप री नींची करी आंख्यां ऊपरां नैं करी। सासूजी सूं निजरां मिळी। बां री आंख्यां में बेथाग हेत अर हमदरदी रा भाव उझळता देख'र बीं रौ हिरदै हरख सूं घूमर घाळण ळाग्यो। उतर्‌यै-उदास चेरै माथै छाई काळी बादळी अेकदम ळोप होगी। अर मूंडो सासूजी रै हेत-हियाव भर्‌यै बरताव सूं सुखराणै रै भाव सूं झूल री तरां खिळग्यो। आंख्यां सूं हरख रा आंसू बरसण ळाग्या हा....।

बा, छिमा री देबी सासूजी रै पगां सूं ळिपटगी, "माजी, थारै ईं एसाण नैं, ईं छिमादान नैं तो म्हैं मरतां दम तांई भी नीं भूळ सकूंळी। जे थे आप रै बेटै नैं म्हारा ळिख्येड़ा अै ळव-ळेटर दिखा देंवता तो दुख अर सरम री मारी म्हैं तो मर'ई जांवती।

"थारो बेटो, जी-भर म्हारो माजणो खराब करकै म्हनैं जरूर ई तळाक दे देंवतो। म्हारो तो जमारो ई बीराण हो जावतो हर तरां सूं। ळुगायां म्हनैं कुळखणी अर कुळ-कंळकणी रा ताना देंवती, धिकारती अर मनचाया सीठणां सुणावती बदनाम कर देंवती दुनिया भर में।

बा थमीं कोनी ळगोळग बोळ्या जावै ही, "म्हारो मां-पापाजी रो माथो नींचो हो जावतो-सदा वास्तै। बै तो भाई-बंद अर जात-बिरादगी रै साम्हीं कदे भी ऊंचो मूंडो करकै नीं चाळ सकै हा।" हरख सूं हकळागी बा तो....कैयो, पण....पण.... थे तो अेकला ई म्हारै काळजै सूं दुख, चिंता, बदनामी अर जमारो ई बरबाद होवण री सरम रै हिमाळै नैं ऊंडी खाई में गुडा दियो। म्हारी आबरू माथै आंच नीं आंवण दी चिणक भी।"

बीनणी अै सगळी बातां कैय'र चुप हुई तो सासूजी बींनैं आप रै पगां री पकड़ सूं बीं रा हाथ छुडा'र अपणायत सूं आप रै काळजै सूं काठी चेप ळी।

(साभार : जागती जोत)

दस छणिकावां

– डॉ. विनोद सोमानी 'हंस'

साच
साच
कोई-कोई ही बोळै
साच री खोज
कोई-कोई ईज करै
पण, कचैड़ी मांय
हरेक गवाह
साच री सौगन खावै
साच बापड़ो
देख-देख
मांयै ही मांयै सरमावै

याददास्त
याददास्त नीं व्है
तो बुरो कोनी
पण, घणा दुखी है बै
जिणां नैं हरेक बात
याद रैवै है।

खाळी
मन
तिषणा
मसाण अर
समन्दर
सदीव खाली ईज रैवै
आदिका सूं
महापुरष
आ ईज कैवै।

समभाव
सूरज
उगतो व्है
चावै आंयतो
ललाई फैलावै
वियां ही
सामरथ पुरुष
दुख व्है चावै सुख
समभाव दरसावै।

पाणी
गांव-गांव
पाणी रो तोड़ो
होवणो ही हो
नीं नैणां में बेच्यो
नीं जज्बात में मिलै।

तुरुप
तुरुप रो इक्को
जमा ळैवे सिक्को
तुरूप री दुग्गी तकात
दूजा रंग रा इक्का नैं
काटणै री ताकत राखै
सत्ता में रैवणियो
औ हीज सुख चाखै।

आंधा
जद आंधा ही
आंधा री अगुवाई करैळा
तो आ तै है के
सगळा ही
खाई में गिरैळा

सुख
मिनख
जीते तो दुख
हार जावै तो
महादुख
हार-जीत सूं
मुगत व्हियां टाळ
किंया मिळै सुख।

अहं
अहं में
खुद रै सिवाय
कांई नीं दीखै
छात माथै
चढ़ियोड़ा मिनख नैं
खुद रो घर तकात
नीं दीखै।

राम नाम
गांधी जी पाछा
आपणै देस आया
तो देख नैं चकराया
अठै सगळा राम नाम जप रैया है
राम नाम माथै जुड़ रैया है
अर राम नाम माथै ळड़ रैया है।

(साभार : जागती जोत)

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

तातः परं परम यद्भवतः स्वरूप
मानन्दमात्रमविकल्पमविद्धवर्चः।
पश्चामि विश्वसृजमेकमविश्वमात्मन्
भूतेन्द्रियात्मकमदस्त उपाश्रितोऽस्मि।।

हे परमेश्वर, मैं आपके इस अनन्त आनन्द और ज्ञान के रूप से श्रेष्ठ अन्य कोई रूप नहीं देखता हूँ। वैकुंठ में आपकी निर्विशेष ब्रह्मज्योति में कोई सामयिक परिवर्तन नहीं होता है और आन्तरिक शक्ति में कोई गिरावट नहीं आता है। मैं आपके सम्मुख आत्मसमर्पण कर रहा हूँ, क्योंकि जहाँ मैं अपने भौतिक शरीर तथा इन्द्रियों पर गर्वित हूँ वहीं आप विशाल जगत का कारण होते हुए भी पदार्थ द्वारा अस्पृश्य हैं।

तद्वा इदं भुवनमङ्गल मङ्गलाय
ध्याने स्म नो दर्शितं त उपासकानाम्।
तस्मै नमो भगवतेऽनूविधेम तुभ्यं
योऽनादृतो नरकभाग्भिरसत्प्रसङ्गै।।

भगवान् श्रीकृष्ण का यह वर्तमान रूप या उनके द्वारा विस्तार किया हुआ कोई भी दिव्य रूप समस्त ब्रह्मांडों के लिए समान रूप से सर्वमंगलमय है। चूँकि आपने इस अनन्त व्यक्तिगत रूप को प्रकट किया है, जिसका ध्यान आपके भक्त करते हैं, इसलिए मैं आपको आदरपूर्वक नमस्कार करता हूँ। जो व्यक्ति नरक के रास्ते पर भेजे जाने के लिए नियत हैं, वे भौतिक विषयों की कल्पना के कारण आपके साकार रूप की उपेक्षा करते हैं।

दीपार्चिरेव हि दशान्तरमभ्युपेत्य
दिपायते विवृतहेतुसमानधर्मा।
यस्तादृगेव हि च विष्णुतया विभाति
गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि।।

मैं उन आदि भगवान् गोविन्द की पूजा करता हूँ, जो अपना विस्तार उसी तरह करते हैं, जिस तरह से एक उज्ज्वल दीपक दूसरी दीपक को प्रज्वलित करता है। आदि ज्योति भगवान् श्रीकृष्ण के अन्य समस्त विस्तार उनके ही समान शक्तिशाली होते है, किन्तु उनकी यह दिव्य रूप को परम पुरुष गोविन्द के रूप में स्वीकार किया गया है।

ये तु त्वदीयचरणाम्बुजकोशगन्धं
जिघ्रन्ति कर्णविवरैः श्रुतिवातनीतम्।
भक्त्या गृहीतचरणः परया च तेषां
नापैषि नाथ हृदयाम्बुहात्स्वपुंसाम्।।

हे प्रभु, जो लोग वैदिक ध्वनि की वायु द्वारा ले जाई गई आपके चरणकमलों की सुगन्ध को आपने कानों के माध्यम से गन्ध करते हैं, वे आपकी भक्ति-मय सेवा को ग्रहण करते हैं। उनके लिए आप उनके हृदय रूपी कमल से कभी भी अलग नहीं होते।

तावद्भयं द्रविणदेहसुदृन्निमित्तं
शोकः स्पृहा परिभवो विपुलश्च लोभः।
तावन्ममेत्यसदवग्रह आर्तिमूलं
यावन्न तेऽङ्घ्रिमभयं प्रवृणीत लोकः।।

हे प्रभु, संसार के लोग सभी भौतिक चिन्ताओं से विचलित रहते हैं और वे सर्वदा डरा हुआ रहते हैं। वे सदैव धन, शरीर तथा मित्रों की रक्षा करने की कोशिश करते हैं, वे विलाप तथा अवैध इच्छाओं एवं साज-सामग्री से पूरित रहते हैं तथा लोभवश मैं तथा मेरा की नाशवन्त अवधारणाओं पर अपने दुराग्रह को आधारित करते हैं। जब तक वे आपके सुरक्षित चरणकमलों की शरण ग्रहण नहीं करते तब तक वे ऐसी चिन्ताओं से भरे रहते हैं।

दैवेन ते हतधियो भवतः प्रसङ्गा–
त्सर्वाशुभोपशमनाद्विमुखेन्द्रिया ये।
कुर्वन्ति कामसुखलेशलवाय दीना
लोभाभिभूतमनसोऽकुशलानि शश्वत्।।

हे भगवान, वे व्यक्ति जो आपकी दिव्य गतिविधियों के बारे में सर्वमंगलकारी कीर्तन तथा श्रवण करने से वंचित हैं निश्चित रूप से वे अभागे हैं और अच्छी समझ से बेदखल हैं। वे थोड़े समय के लिए इन्द्रियतृप्ति का आनन्द लेने हेतु अशुभ गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं।

क्षुत्तृट्त्रधातुभिरिमा मुहुरर्द्यमानाः
शीतोष्णवातवरषैरितरेतराच्च।
कामाग्निनाच्युतरूषा च सुदुर्भरेण
सम्पश्यतो मन उरूक्रम सीदते मे।।

हे महान् कर्ता, मेरे भगवान्, ये समस्त दीन प्राणी सदैव भूख, प्यास, तीन रस, यथा कफ, पित्त और वायु लगातर परेशान रहते हैं, कफ युक्त सर्दी, भीषम गर्मी, भारी वर्षा और कई अन्य परेशान करने वाले तत्व इन पर आक्रमण करते हैं और ये प्रबल कामेच्छाओं तथा दुःसह क्रोध से अभिभूत होते रहते हैं। मुझे इन पर दया आती है और मैं इनके लिए बहुत चिन्तित हूँ।

यावत्पृथक्त्वमिदमात्मन इन्दियार्थ–
मायाबलं भगवतो जन ईश पश्येत्।
तावन्न संसृतिरसौ प्रतिसङ्क्रमेत
व्यर्थापि दुःखनिवहं वहती क्रियार्था।।

हे प्रभु, भौतिक दुख आत्मा के लिए वास्तविक अस्तित्व के बिना हैं। फिर भी जब तक शरीर को इन्द्रियतृप्ति के लिए देखता है, तब तक वह भौतिक दुःखों के उलझन से बाहर नहीं निकल पाता, जो कि आपकी बहिरंगा शक्ति द्वारा प्रभावित होता है।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

डॉ. सुनिल कुमार पाटोदिया मे. एस.एस.पी. इंडस्ट्रीज प्रा. लि. अय्यपा पेट्टी स्ट्रीट, चेन्नई, तामिलनाडू	**श्री संजीव अग्रवाल** ९, पंडीयन स्ट्रीट, वी.जी. जी. नगर, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री अशोक कुमार पोद्दार** मे. अशोक टिम्बर एण्ड प्लाईवूड सेन्टर, कोल्लई, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री अशोक कुमार लाखोटिया** मे. लाखोटिया (इंडिया) प्रा. लि., ब्रोड्रे, पो.-५०१५, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री राजीव अग्रवाल** मे. साउथर्स एजेन्सी ३४३/५, मुनाथ सेन्टर चेन्नई, तमिलनाडू
श्री अमित कुमार माहेश्वरी श्री कृष्णा नगर, माधवराम, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री संजय अग्रवाला** मे. तुलस्यान नेल लि. एपेक्स प्लाजा, प्रथम तल चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री हरिश कुमार लोहिया** फ्लाट नं.-२१, टी.वी.एस. नगर नार्थ, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री संदीप अग्रवाल** मे. कनिथ सप्लायार्स गेट नं.-५६, सेमुडोस स्ट्रीट चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री वैभव राठी** २०४, द्वितीय तल, सिटी सेन्टर , चेन्नई, तमिलनाडू
श्री सुशील कुमार रूँगटा अरिहंत वैकुंठ अपार्टमेंट फ्लैट नं.-५ए, पुरुषवाल्कम चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री राम अवतार रूँगटा** १६९, सडेनहाम्स रोड चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री कमल शर्मा** मे. माथुर एक्सपोर्ट ५५/१ए, शर्मा नगर चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री मनोज गोयल** मे. रैपिड रोडलाईन्स आफ इंडिया, न्यु अवडी रोड, किलपौक, चेन्नई, तमिलनाडू	**श्री मनोज कुमार शर्मा** मौजे गाँव माई स्थान पूर्वी चम्पारण, बिहार
श्री आनन्द कुमार भरतिया द्वारा - कृति महल दल सिंह सराय, बिहार	**श्री मनीष सराफ** सुरधमल मुरलीधर मधुबनी, बिहार	**श्री श्रवण कुमार चौधरी** मे. श्री गणेश हार्डवेयर मधुबनी, बिहार	**श्री राज कुमार सराफ** वार्ड नं.-१, घोघरडीह मधुबनी, बिहार	**श्री कन्हैया लाल अग्रवाल** श्री राम चन्द्र प्रसाद मधुबनी, बिहार
श्रीमती संगीता पंसारी पंसारी देवाग हाउस मधुबनी, बिहार	**श्री गौरी शंकर पंसारी** द्वारा - श्री गौरी शंकर आयरन स्टोर, मधुबनी, बिहार	**श्रीमती रितु देवी चौधरी** द्वारा - श्री गौरी शंकर आयरन स्टोर, मधुबनी बिहार	**श्री रंजीत सुल्तानिया** मे. जय लक्ष्मी ड्रेसेज मधुबनी, बिहार	**श्री रिषभ सुल्तानिया** घोघरडीह, मधुबनी बिहार
श्रीमती सुनीता सुल्तानिया घोघरडीह, मधुबनी बिहार	**श्री मनोज कुमार केजरीवाल** वार्ड नं-४, घोघरडीह मधुबनी, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-१, घोघरडीह मधुबनी, बिहार	**श्री विकास चन्द्र शर्मा** वार्ड नं- १, घोघरडीह मधुबनी, बिहार	**श्री श्याम सुंदर पंसारी** वार्ड नं- ४, घोघरडीह मधुबनी, बिहार
श्री राज कुमार जैन वार्ड नं- ४, घोघरडीह मधुबनी, बिहार	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** घोघरडीह, मधुबनी बिहार	**श्री मनोज कुमार पंसारी** मे. पंसारी ड्रग हाउस मधुबनी, बिहार	**श्रीमती आभा सराफ** द्वारा - बाबा वासुकी ट्रेडर्स मधुबनी, बिहार	**श्री मनोज कुमार चौधरी** मे. ओम ऐग्रो ऐजेंसी मधुबनी, बिहार
श्री राम प्रकाश सराफ घोघरडीह, मधुबनी बिहार	**श्री गणेश नारायण सुल्तानिया** सुशील कुमार अंजनी कुमार, मधुबनी, बिहार	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** घोघरडीह, मधुबनी बिहार	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** मे. बिनोद मेडिको मधुबनी, बिहार	**श्रीमती स्वेता अग्रवाल** घोघरडीह, मधुबनी बिहार
श्री मोती लाल अग्रवाल घोघरडीह, मधुबनी बिहार	**श्री अशोक कुमार चोखानी** मेन रोड, त्रिवेनीगंज सुपौल, बिहार	**श्री राकेश कुमार शर्मा** ए/७७, पी. सी. कोलॉनी पटना, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सरावगी** चमन गली, चौक पटनासिटी, बिहार	**श्री दिनेश कुमार** युगल कुंज, रोड नं. १६ पटना, बिहार
श्री रंजीत कुमार गोयनका लाला निवास, राजीव नगर पटना, बिहार	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** चँदा निवास, राजीव नगर पटना, बिहार	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** मे. बालाजी हार्डवेयर कटिहार, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार पटवारी** सालमारी, कटिहार बिहार	**श्री प्रमोद कुमार केडिया** सालमारी, कटिहार बिहार
श्री नवीन कुमार सालमारी, कटिहार बिहार	**श्री विजय प्रकाश शर्मा** आर. एन. साह चौक पुर्णिया, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** लक्ष्मी निवास, बरीहाट पुर्णिया, बिहार	**श्री सुभाष कुमार जेजानी** मे. पुर्णिया ऑनलाईन पुर्णिया, बिहार	**श्री अजय अग्रवाल (सिंघाई)** श्री सरगम चित्रावनी रोड पुर्णिया, बिहार
श्री अमर कुमार कटारूका मे. ऐग्रो मशीनरी इंडिया पुर्णिया, बिहार	**श्री रोशन अग्रवाल** लखन चौक, भट्टा बाजार पुर्णिया, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार मुरारका** नवरतन हाटा पुर्णिया, बिहार	**श्री अभिनव विशाल** आर. एन. साह चौक पुर्णिया, बिहार	**श्री आदित्य विशाल** मे. विशाल मोटर्स पुर्णिया, बिहार
श्री कृष्णा अग्रवाल कुमाता बाड़ी, मैथली टोला पुर्णिया, बिहार	**श्री रतन कुमार सराफ** भट्टा बाजार, सिनेमा रोड पुर्णिया, बिहार	**श्री श्याम गोयल** मे. हिमालया ऐग्रो को. प्रा. लि. पुर्णिया, बिहार	**श्री संतोष कुमार पोद्दार** मे. रितिका इंटरप्राइजेज पूर्णिया, बिहार	**श्री नरेश पारीक** मे. पारीक मोटर्स पुर्णिया, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री सौरभ कुमार अग्रवाल मे. ऐग्री मशीनरी इंडिया पुर्णिमा, बिहार	**श्री रवि कान्त** शान्ति निवास, शिवाजी कालोनी, पुर्णिया, बिहार	**श्री सतीस बंसल** मे. श्री सांई सेन्टर पुर्णिया, बिहार	**श्री विजय शर्मा** बड़ीहाट लक्ष्मी मन्दिर चौक पुर्णिया, बिहार	**श्री अशोक पटोदिया** मे. कोशी ऑटो एण्ड फार्म इक्युपमेंट, पुर्णिया, बिहार
श्री राज कुमार अग्रवाल मट्टा दुर्गा बाड़ी पुर्णिया, बिहार	**श्री भानु कुमार पारीक** मे. पारीक ऑटोमोबाईल्स पुर्णिया, बिहार	**श्री रवि कुमार** मट्टा दुर्गा बाड़ी पुर्णिया, बिहार	**श्री लक्ष्य सरावगी** विवेकानन्द कालोनी पुर्णिया, बिहार	**श्री पवन कुमार सेठिया** मे. नेशनल ट्रैक्शन स्पोर्टस पुर्णिया, बिहार
श्री राहुल जैन खीर चौक, मट्टा बाजार पुर्णिया, बिहार	**डा. राकेश कृष्णा दास** मे. पटना एक्स-रे एण्ड इमेजिंग सेन्टर पुणिया, बिहार	**श्री विशाल कुमार अग्रवाल** दुर्गा बाड़ी, शिव पुरी पुर्णिया, बिहार	**श्री रास बिहारी अग्रवाल** मे. अनामिका इलेक्ट्रानिक्स पुर्णिया, बिहार	**श्री बाल मुकुन्द पंसारी** भट्टा बाजार, दुर्गा बाड़ी पुर्णिया, बिहार
श्री पंकज कुमार अग्रवाल लावण्य टॉवर, काली बाड़ी चौक, पुर्णिया, बिहार	**श्री दामोदर कुमार झुनझुनवाला** मे. निशांत साड़ी, सुजा गंज भागलपुर, बिहार	**श्री आत्म प्रकाश हरलालका** ७०१, सूत्री बिहार एपार्टमेंट, पटना, बिहार	**श्री आशीष कुमार सराफ** रानी सती मन्दिर मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री पीयुष नरसरिया** मे. गीता टैक्स पटना, बिहार
श्री गोपाल प्रसाद तुलस्यान मे. जी.पी. तुलस्यान एण्ड को., मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री रतन तुलस्यान** मे. श्री रानी सती टेक्सटाईल्स, मुजफ्फरपुर बिहार	**श्री अशोक कुमार टेकड़ीवाल** सेंट्रल बैंक के नजदीक, पुरानी बाजार, मुजफ्फरपुर पटना	**श्री कृष्णा शर्मा** मोहल्ला लोहापट्टी खगड़िया, बिहार	**श्री विकास गोयल** मे. दीपक रेडीमेड खगड़िया, बिहार
श्रीमती चन्द्रा अग्रवाल लातेहार स्टेशन लातेहार, बिहार	**श्री संदीप अग्रवाल** लातेहार स्टेशन लातेहार, बिहार	**श्रीमती मीरा देवी** नवहाटा, डाल्टनगंज बिहार	**श्री कन्हैया कुमार पंसारी** नवहाटा, डाल्टनगंज बिहार	**श्रीमती नीतू अग्रवाल** डी. डी. बिल्डिंग, दूसरा तल, धनबाद, बिहार
श्रीमती पिंकी देवी महुआ बाजार, धनबाद बिहार	**श्रीमती निर्मला अग्रवाल** जी. टी. रोड, धनबाद बिहार	**श्री सुशील कुमार कामदार** महुआ बाजार धनबाद, बिहार	**श्री सुभाष लाल अग्रवाल** मे. श्री श्याम फूड स्टोर धनबाद, बिहार	**श्रीमती संगीता देवी अग्रवाल** मे. श्री श्याम फूड सेन्टर धनबाद, बिहार
श्री रोशन अग्रवाल मे. श्री श्याम फूड सेन्टर धनबाद, बिहार	**श्री रुपेश अग्रवाल** मे. पूजा डेकोरेटर धनबाद, बिहगार	**श्री ऋषि पाल अग्रवाल** दुर्गा मन्दिर रोड धनबाद, बिहार	**श्री कमलेश अग्रवाल** दुर्गा मन्दिर रोड धनबाद, बिहार	**श्री बेद प्रकाश शर्मा** नारायण स्वीट्स के पीछे रोहतास, बिहार
श्री संत शर्मा नारायण स्वीट्स के पीछे रोहतास, बिहार	**श्रीमती पूजा मिश्रा** पानी टंकी, गली नं.-४ रोहतास, बिहार	**श्रीमती रश्मि मिश्रा** पानी टंकी, गली नं.-४ रोहतास, बिहार	**श्री राजेश सराफ** सराफ हाऊस वार्ड नं. ७ कैमूर, बिहार	**श्रीमती नीलम देवी सराफ** सराफ हाउस, वार्ड नं. ७ कैमूर, बिहार
श्रीमती तमन्ना डालमिया जी.एस.टी. कार्यालय रोहतास, बिहार	**श्री गौरव डालमिया** जी.एस.टी. कार्यालय रोहतास, बिहार	**श्रीमती पलक शर्मा** सुभाष नगर रोहतास, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम लाल शर्मा** नारायण स्वीट्स के पीछे रोहतास, बिहार	**श्री पवन कुमार सुल्तानिया** सन बीम पब्लिक स्कुल रोहतास, बिहार
श्रीमती ऊमा देवी सुल्तानिया सन बीम पब्लिक स्कूल रोहतास, बिहार	**सुश्री कोमल झुनझुनवाला** गली नं. १६, बारह पत्थर रोहतास, बिहार	**श्री सोनू झुनझुनवाला** गली नं. १६, बारह पत्थर रोहतास, बिहार	**श्रीमती सरिका झुनझुनवाला** गली नं. १६, बारह पत्थर, रोहतास, बिहार	**श्रीमती रत्ना शर्मा** द्वारा – विनोद शर्मा रोहतास, बिहार
श्री महेश हिसारिया मे. न्यु बॉम्बे ड्रेसेज खगड़िया, बिहार	**श्री मधुकर खण्डेलिया** मे. होटल अशोका खगड़िया, बिहार	**श्री रोहित बजाज** स्टेशन रोड, खगड़िया बिहार	**श्री राजेश खेड़िया** मे. ज्योति ट्रेडिंग कं. खगड़िया, बिहार	**श्री प्रवीण दत्ता रूँगटा** राधा रानी सिन्हा रोड भागलपुर, बिहार
श्री प्रताप कुमार जैन मन्दरोजा लेन भागलपुर, बिहार	**श्री रमेश कुमार भिवानीवाला** द्वारा - महानन्दा राय भागलपुर, बिहार	**श्री नीरज गोयनका** मे. चिराग फैशन भागलपुर, बिहार	**श्री रवि कुमार सराफ** मे. श्री फर्मा भागलपुर, बिहार	**श्री नवल किशोर मगोलीवाला** शांति शापिंग कम्पलेक्स भागलपुर, बिहार

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

TUBEROSE

Kolkata's leading stevedoring and shipping logistics company

Areas of expertise include -

MANAGEMENT OF PULSES

BARGING

STEVEDORING

SHORE AND PORT EQUIPMENTS

STEAMER AGENCY

VARIED LOGISTICS AND SHIPPING EXPERIENCE

TUBEROSE LOGISTICS PVT LTD | 3B CAMAC STREET | KOLKATA 700016 | 9830261566 / operations@tuberoselogistics.com

Dollar
HOT HAI BOSS
ULTRA™
THERMALS
FREE
ANKLE SOCKS
WITH 2 PCS OF
DOLLAR
ULTRA
FREE WORTH ₹85/-
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in
Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns
and 100,000 MBOs across India
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
2 Small Pieces will be considered as 1 Big Piece
This offer is not valid for Online Sales | Conditions Apply

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 30th November 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com